वर्ष-14 - अंक 123
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
मंगलवार ,11 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भारत स्काउट एवं गाइड उप्र की मंडलीय संगोष्ठी आयोजित..... 3

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान..... 4

गुवाहाटी हाईकोर्ट की स्थायी पीठ की मांग तेज, केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र..... 08

असम में फिर शुरू हुई सस्ती दाल-चीनी योजना, 70 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

गुवाहाटी(एजेंसी)। असम सरकार ने राज्य के पात्र लोगों को रियायती दरों पर आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने वाली सब्सिडी योजना को एक बार फिर शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को नगांव जिले के राहा से योजना का पुनः शुभारंभ किया। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को दाल और चीनी 100 रुपये में उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार की इस पहल से राज्य के करीब 70 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपनी प्रतिबद्धता के तहत पात्र परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए दाल और चीनी की आपूर्ति फिर से शुरू कर रही है। बजट से जुड़ी प्रक्रिया में देरी के कारण यह योजना पिछले करीब तीन महीने से बंद थी। यह योजना विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई थी। इसके तहत पात्र लोगों को चीनी, दाल और नमक रियायती दरों पर उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया था। योजना के दोबारा शुरू होने से महंगाई के बीच आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, फिलहाल योजना के तहत नमक का वितरण शुरू नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों के चलते नमक की आपूर्ति में देरी हो रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही नमक का वितरण भी शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुछ ही दिनों में नमक उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। सरकार की ओर से यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी आम परिवारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। रियायती दरों पर दाल और चीनी उपलब्ध होने से बड़ी संख्या में पात्र परिवारों को सीधे राहत मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी बातचीत के माध्यम से विवाद का समाधान निकालने के प्रयास में जुटे हैं। सरमा ने बताया कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव सीमा से जुड़े मामलों पर लगातार चर्चा कर रहे हैं। इसके अलावा दोनों राज्यों के पुलिस महानिदेशक भी स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि बातचीत के जरिए विवाद को सुलझाया जाए और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सामान्य स्थिति बनी रहे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि असम अपने क्षेत्रीय हितों और जमीन की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य की भूमि से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमा विवाद को लेकर बातचीत जारी है, लेकिन असम के क्षेत्रीय हितों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। विवादित और प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी तरह के तनाव को रोकने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सीमा विवाद के मद्देनजर प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती किए जाने की भी जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और किसी भी संभावित तनाव की स्थिति को नियंत्रित करना है। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा विवाद लंबे समय से संवेदनशील विषय रहा है। दोनों राज्यों के बीच विवाद के समाधान के लिए समय-समय पर बातचीत होती रही है। फिलहाल दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर चर्चा जारी है। एक ओर जहां रियायती खाद्य योजना दोबारा शुरू होने से असम के लाखों परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर सीमा विवाद को लेकर सरकार ने बातचीत और सुरक्षा, दोनों स्तरों पर सक्रियता बढ़ाई है।

सरकार की इस पहल से राज्य के करीब 70 लाख लोगों को लाभ मिलने की उमीद है। मुयमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपनी प्रतिबद्धता के तहत पात्र परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री सस्ती दरों पर उपलध कराने के लिए दाल और चीनी की आपूर्ति फिर से शुरू कर रही है। बजट से जुड़ी प्रक्रिया में देरी के कारण यह योजना पिछले करीब तीन महीने से बंद थी। यह योजना विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई थी। इसके तहत पात्र लोगों को चीनी, दाल और नमक रियायती दरों पर उपलध कराने का प्रावधान किया गया था।

छात्र आंदोलन पर संजय सेठ ने सरकार को घेरा

रांची(एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने झारखंड में चल रहे जेपीएससी-जेएसएससी छात्र आंदोलन को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोमवार को अलग-अलग सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सेठ ने आंदोलित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, वाटर कैनन और आंसू गैस के इस्तेमाल पर सवाल उठाए। उन्होंने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते की गिरफ्तारी को भी 'आईवॉश' बताते हुए पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की। संजय सेठ ने कहा कि झारखंड के युवाओं ने भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रक्रिया की मांग को लेकर आंदोलन किया, लेकिन उन्हें बदले में लाठियां और आंसू गैस मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को रखने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई राज्य सरकार की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाया जा सकता है, लेकिन उनके अधिकार और भविष्य से जुड़े सवालों को खत्म नहीं किया जा सकता। सरकार को छात्रों के साथ बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय सेठ ने कहा कि वह पहले से ही मामले की सीआईडी जांच को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआईडी जांच के नाम पर केवल 'आईवॉश' किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार वास्तव में पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच चाहती है तो इसे सीबीआई को सौंप देना चाहिए। उनके मुताबिक, इससे मामले की वास्तविकता सामने लाने और दोषियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। संजय सेठ ने कहा कि पूर्व में भी राज्य सरकार से जुड़े कई मामलों में सीआईडी जांच और उसके परिणाम जनता के सामने आ चुके हैं। ऐसे में इस मामले में भी केवल गिरफ्तारी से पूरी सच्चाई सामने नहीं आएगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि जांच को किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी को सौंपकर पूरे मामले की तह तक पहुंचा जाए। केंद्रीय मंत्री ने छात्र आंदोलन के दौरान आंसू गैस के गोले छोड़े जाने और दोबारा लाठीचार्ज किए जाने की खबरों को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि छात्र शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे तो उनके खिलाफ वाटर कैनन और लाठीचार्ज का इस्तेमाल करने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित होने की बात सामने आई है। ऐसे में न्याय और पारदर्शिता की मांग कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग करने के बजाय उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। सेठ ने कहा कि रोजगार और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवाल बेहद संवेदनशील हैं। इनका समाधान पुलिस कार्रवाई से नहीं, बल्कि संवाद, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई से होना चाहिए। संजय सेठ ने धरना स्थल पर छात्रों को कथित तौर पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराए जाने को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बारिश के बीच छात्र धरना दे रहे हैं और उन्हें जरूरी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

भारतीय नौसेना ने समुद्र में कच्चे तेल के दो टैंकरों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली । समुद्री में भारतीय नौसेना ने अपनी सक्रियता और सहयोग के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। नौसेना के युद्धपोतों ने उच्च जोखिम वाले समुद्री क्षेत्र से कच्चे तेल ले जा रहे दो टैंकरों को सुरक्षित निकालने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। नौसेना के इस कदम से महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की हुई है। नौसेना के अनुसार, भारत के आईएनएस त्रिशूल और आईएनएस आदित्य ने कच्चे तेल के टैंकर एमटी कम्पास और एमटी थालत्ता को बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य के संवेदनशील क्षेत्र से सुरक्षित पार कराया। बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ता है। नौसेना द्वारा यह महत्वपूर्ण सहायता 9 और 10 अगस्त को सुनिश्चित की गई। दरअसल बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से इसकी रणनीतिक अहमियत काफी अधिक है।

पुलिस ने किया आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, मुख्य संचालक गिरफ्तार

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने सोमवार को सीमा पार से जुड़े एक आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त किया है। इस नेटवर्क को 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' के नाम से जाना जाता है। इसके मुख्य संचालक को हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया गया। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने इस कार्रवाई के बारे में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर जानकारी दी है। इस ऑपरेशन को मुख्य रूप से काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और एसबीएस नगर पुलिस की ओर से अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया। जिसे मुख्य रूप से विदेशी हैंडलर की ओर से संचालित किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मुख्य संचालक को भी गिरफ्तार किया और उसके पास से एक 86-पी हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी ने विदेशी हैंडलर्स के निर्देश पर जालंधर के आदमपुर जिले से कथित तौर पर ग्रेनेड खरीदा था। पुलिस डीजीपी के मुताबिक, एबीएल नगर के नवांशहर शहर के पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत इस मामले में केस भी दर्ज कर लिया गया।

झारखंड छात्र आंदोलन पर राहुल गांधी ने बल प्रयोग को बताया गलत

रांची(एजेंसी)। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग को गलत बताते हुए राज्य सरकार से उनकी बात सुनने और बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान निकालने की अपील की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि झारखंड में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल का इस्तेमाल उचित नहीं है। छात्रों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बातचीत के जरिए ही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है। राहुल गांधी ने झारखंड सरकार से आंदोलनरत छात्रों की बात सुनने और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य और रोजगार से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए तथा सरकार को छात्रों के साथ संवाद कायम कर उनकी मांगों पर सकारात्मक तरीके से विचार करना चाहिए। राहुल गांधी इससे पहले भी झारखंड में आंदोलन कर रहे छात्रों की मांगों के समर्थन में अपनी बात रख चुके हैं। उन्होंने आंदोलनकारी छात्रों से फोन पर बातचीत कर उनकी समस्याओं और मांगों की जानकारी ली थी। इस दौरान उन्होंने छात्रों की मांगों के प्रति अपना समर्थन भी जताया था। कांग्रेस नेता के ताजा बयान के बाद छात्र आंदोलन को लेकर राज्य की राजनीति में बयानबाजी और तेज हो गई है। विपक्ष जहां पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को घेर रहा है, वहीं राज्य सरकार का कहना है कि मामले में जांच और कार्रवाई पहले से जारी है। इधर, झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में जंतर-मंतर जैसी बर्बरता और संवादहीनता की स्थिति नहीं बनी है। सरकार ने छात्रों के आंदोलन से पहले ही मामले में कार्रवाई शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि मामले की सीआईडी जांच जारी है और गिरफ्तारियों के साथ-साथ डिजिटल तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर विस्तृत जांच की जा रही है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मामले में कोई दोषी बच न पाए। मंत्री ने कहा कि भर्ती व्यवस्था में मौजूद कमियों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सीधी नजर है। सरकार की ओर से छात्रों को व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आंदोलनरत छात्रों से दोबारा बातचीत का आग्रह किया है और वह संवाद के लिए पूरी तरह तैयार है। दीपिका पांडेय सिंह ने भाजपा पर छात्र आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का आरोप भी लगाया।

राहुल गांधी ने झारखंड सरकार से आंदोलनरत छात्रों की बात सुनने और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की अपील की।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में 11 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश

आरा (एजेंसी)। बिहार के बहुचर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में आरा की अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्कालीन एसडीएम और एसडीपीओ समेत 11 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। भोजपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 अगस्त तक न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया है। हालांकि, भोजपुर पुलिस ने इस कार्रवाई की जानकारी होने से इनकार किया है। अदालत की यह कार्रवाई शाहपुर थाना कांड संख्या 178/2026 से जुड़ी बताई जा रही है। इस मामले में अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 73 के तहत गैर-जमानती वारंट जारी करने सहित जांच की प्रगति से संबंधित कई बिंदुओं पर अदालत से निर्देश देने की मांग की थी। जिन अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ वारंट जारी होने की बात कही जा रही है, उनमें जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीएम संजीत कुमार, तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार, दारोगा अंकित आर्यन, हरिचंद्र कुमार, एएसआई रामाशंकर यादव, एसटीएफ के विकास कुमार, अक्षय कुमार और अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। एसटीएफ जवान अक्षय कुमार को इस मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान से मिले भारत के उच्चायुक्त, आपसी हितों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने सोमवार को पहली बार बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। यह बातचीत द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हितों पर केंद्रित रही। मुलाकात के दौरान उच्चायुक्त ने पीएम तारिक रहमान को भारत के प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत, बांग्लादेश की सरकार और यहां के लोगों के साथ सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्य को ध्यान में रखकर मिलकर काम करना चाहता है। दोनों पक्षों ने आपसी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। साथ ही भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के संभावित तरीकों पर चर्चा की गई। बातचीत में लोगों को केंद्र में रखने वाले दृष्टिकोण (पीपल-सेंट्रिक अप्रोच) पर जोर दिया गया, ताकि दोनों देशों के बीच सहयोग का सीधा लाभ आम लोगों तक पहुंच सके। भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। उन्हें यह निमंत्रण 'बिम्सटेक' (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में दिया गया है।

मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, अंतरराज्यीय बस सेवाएं जल्द शुरू करने पर जोर

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने सोमवार को राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा आम लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने सिविल सचिवालय में आयोजित यूनिफाइड कमांड की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बैठक में राज्यभर में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था तथा यात्रियों और मालवाहक वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग-37 और इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष चर्चा हुई। ये दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग मणिपुर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाले प्रमुख परिवहन मार्ग हैं। जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से कांगपोकपी जिले से होकर गुजरने वाले एनएच-2 पर कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं, बीच-बीच में होने वाले जाम और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण यातायात प्रभावित रहा है। इससे यात्रियों के साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रमुख परिवहन गलियारों पर लोगों और आवश्यक सामान की आवाजाही को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यूनिफाइड कमांड की बैठक में राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बनाए रखने के साथ सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बेहतर करने पर जोर दिया गया। खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा की गई। बैठक में मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल, मुख्य सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) लहरी दोरजी ल्हातू, असम राइफल्स (दक्षिण) के महानिरीक्षक मेजर जनरल गौरव शर्मा, 57 माउंटेन डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल शुभंकर बसु, सीआरपीएफ के महानिरीक्षक राजेंद्र नारायण डैश समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ममता की सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं, पहले से पुलिस को सूचना दें : सीएम सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता(एजेंसी) । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। अगर वह कहीं जाने से पहले पुलिस को अपने दौरे के बारे में समय रहते सूचित करती हैं, तो सुरक्षा के उचित इंतजाम किए जाएंगे। मुख्यमंत्री अधिकारी की यह प्रतिक्रिया ममता बनर्जी की कार पर हुए हमले के एक दिन बाद आई है। यह हमला तब हुआ, जब वह नॉर्थ 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल के एक मृत कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। रविवार को हुए इस हमले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए गए। सोमवार को सुवेंदु अधिकारी हलीशहर में तृणमूल के मृत कार्यकर्ता बिरजू केओट के घर गए। वहां से निकलते समय मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि उन्हें सुरक्षा दी जाएगी, बशर्ते वह पहले से सूचना दें।

उन्होंने कहा, 'आप कल बिना पुलिस को बताए आई। लोगों में गुस्सा था। जैसे ही हमारे विधायक को इस बारे में पता चला, उन्होंने पुलिस को सूचित करके कार्रवाई की। मेरी गुजारिश है कि अब से आप जहां भी जाएं, समय पर पुलिस को सूचित करें। कोलकाता पुलिस के सीपी या राज्य के डीजीपी को बताएं, जिसे भी आप चाहें। अगर आपको डीजीपी पसंद नहीं हैं, तो किसी और को बताएं। हमारी पुलिस आपकी सुरक्षा का ध्यान रखेगी।' पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रविवार को कांचरापाड़ा में तृणमूल कांग्रेस के मृत कार्यकर्ता बिरजू केओट के परिवार से मिलने गई थीं। उनके साथ लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी और राज्यसभा सदस्य डोला सेन भी थे। हालांकि, उन्हें रास्ते में विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि उनकी गाड़ी पर जूते और कीचड़ फेंके गए। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित उपद्रवी इस हरकत के लिए जिम्मेदार थे। कार पर ईंटें और पत्थर भी फेंके गए। उन्होंने दावा किया कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो उनके सिर में चोट लग सकती थी या उनकी जान भी जा सकती थी। घटनास्थल का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा, 'सुरक्षा में कहीं कोई लापरवाही नहीं है। आपके आसपास जो हुआ, वह स्थानीय पुलिस की समस्या है। हमारे विधायक ने खबर मिलने के बाद पुलिस के जरिए स्थिति को संभाला। पुलिस हमेशा एक ही जगह पर नहीं होती। उन्हें भी कुछ समय दिया जाना चाहिए। खैर, मैं आपको कोई सलाह नहीं दूंगा। मेरी गुजारिश है कि आप जहां चाहें जाएं।

भारतीय विमानन क्षेत्र में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

25 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्यः राम मोहन नायडू

नई दिल्ली(एजेंसी) । केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार भारतीय विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही महिला पायलटों की हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक औसत से काफी आगे है और अब इस सफलता को विमानन क्षेत्र के अन्य विभागों तक भी विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत में करीब 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा केवल 5 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने इसे भारत की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विमानन क्षेत्र के हर हिस्से में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए। राम मोहन नायडू ने कहा, 'नारी शक्ति भारत के विमानन विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है। हमारे यहां 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जबकि वैश्विक औसत केवल 5 प्रतिशत है। हम इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक ले जाना चाहते हैं और विमानन क्षेत्र में महिलाओं के लिए और अधिक अवसर पैदा करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा महिलाओं को विमानन क्षेत्र में प्रवेश करने, योगदान देने और नेतृत्व संभालने के लिए प्रोत्साहित किया है। देश ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है। मंत्री ने गर्व के साथ कहा कि महिलाओं की भागीदारी के मामले में भारत दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन उद्योग में महिला पायलटों की संख्या वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक है, जो देश की समावेशी सोच और अवसरों की उपलब्धता को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

दूसरे सोमवार दुग्धेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे एसपी, सुरक्षा व्यवस्था परखी

रूद्रपुर, देवरिया। सावन माह के दूसरे सोमवार को पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर रुद्रपुर क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बाबा दुग्धेश्वर नाथ मंदिर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। एसपी ने मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़, प्रवेश और निकास व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात प्रबंधन तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा श्रद्धालुओं के साथ शालीन एवं विनम्र व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर विशेष निगरानी रखने, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान देने तथा भीड़ को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने पर विशेष जोर दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान रुद्रपुर प्रभारी निरीक्षक कल्याण सिंह सागर पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

सर्पदंश से महिला की मौत, इलाज में लापरवाही का परिजनों ने लगाया आरोप

सहजनवा। थाना क्षेत्र के उसरी गांव में सोमवार सुबह घर की सफाई करते समय सर्पदंश की शिकार हुई महिला की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवा में मौत हो गई। महिला के परिजनों ने अस्पताल में समय से उपचार नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए चिकित्सकीय लापरवाही की बात कही है। हालांकि, इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जानकारी के अनुसार उसरी गांव निवासी बेचना देवी (पत्नी ओम प्रकाश) सोमवार सुबह अपने घर की सफाई कर रही थीं। इसी दौरान घर में छिपे जहरीले सर्प ने उन्हें डस लिया। सर्पदंश के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवा लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद महिला को समय पर समुचित उपचार नहीं मिल सका। इसी दौरान उनकी हालत और गंभीर हो गई और अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि मृतका का पति ओम प्रकाश बाहर रहकर मजदूरी करता है। महिला के चार बच्चे हैं। परिजनों के मुताबिक, परिवार की जिम्मेदारी महिला पर भी थी। अचानक हुई मौत से बच्चों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने महिला का अंतिम संस्कार कर दिया है। वहीं, इलाज में कथित लापरवाही के आरोपों को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच या कार्रवाई के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

जिलाधिकारी ने श्यामपट्ट पर पढ़ाया पाठ, शिक्षकों को लगाई फटकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के विकासखंड तरकुलवा के प्राथमिक विद्यालय खुटहां पटखौली और तरकुलवा का सोमवार को जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने औचक निरीक्षण किया। बच्चों के बीच पहुंचे डीएम ने निरीक्षक की भूमिका के साथ शिक्षक की जिम्मेदारी भी निभाई। चॉक लेकर श्यामपट्ट पर पाठ पढ़ाया और बच्चों से सवाल पूछकर उनके सीखने व समझने के स्तर को परखा। बच्चों से संवाद के दौरान डीएम ने पढ़ाई, विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। बच्चों ने पूछे गए अधिकांश सवालों के संतोषजनक जवाब दिए। हालांकि निरीक्षण में निपुण एवं संदर्शिका का अंकन उपलब्ध नहीं मिला और शिक्षण कार्य भी अपेक्षित स्तर पर संचालित होता नहीं पाया गया। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए शिक्षकों को कड़े निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निपुण एवं संदर्शिका में निर्धारित बिंदुओं के अनुरूप नियमित शिक्षण कराया जाए और उपलब्ध शिक्षण सामग्री का प्रभावी उपयोग किया जाए। शिक्षकों को समय से विद्यालय पहुंचकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की हिदायत दी गई। डीएम ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, पठन-पाठन की गुणवत्ता और बच्चों के लिए जरूरी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। डीएम ने खंड शिक्षा अधिकारी तरकुलवा को विद्यालयों का नियमित और प्रभावी अनुश्रवण करने तथा लापरवाही मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक विद्यालयों के निरीक्षण में निपुण व संदर्शिका का अंकन नहीं मिला, शिक्षण व्यवस्था सुधारने के निर्देश

डीएम-एसपी ने पंचमुखी धाम इटहिया का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज। पावन श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को शिव भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल एवं पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने रविवार को ठूठीबारी क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पंचमुखी धाम इटहिया का औचक निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भीड़, बैरीकेडिंग, यातायात व्यवस्था एवं जलाभिषेक की सुगम व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं से विनम्रता से पेश आने और भीड़ को नियंत्रित रखने के निर्देश दिए।

सीसीटीवी-ड्रोन से निगरानी डीएम और एसपी ने मंदिर परिसर में बने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कैमरों के माध्यम से निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही कांवड़ मार्ग एवं संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी कराने के निर्देश दिए, ताकि भीड़ और यातायात पर नजर रखी जा सके और किसी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके। **पुलिस बल तैनात** श्रावण मास के चलते मंदिर परिसर और प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से दर्शन-पूजन कराने में जुटी है। इस अवसर पर अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए निर्धारित मार्ग से ही आवागमन करें।

पिपरौली में कृमि मुक्ति अभियान का शुभारंभ

सहजनवा/पिपरौली, गोरखपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर सोमवार को सरस्वती देवी इंटर कॉलेज, पिपरौली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से कृमि मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीएचसी अधीक्षक डॉ. शिवानंद मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण से बच्चों के स्वास्थ्य और शारीरिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। निर्धारित समय पर कृमिनाशक दवा का सेवन और स्वच्छता अपनाकर इससे बचाव किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों व अभिभावकों से स्वास्थ्य कर्मियों के निर्देशानुसार दवा लेने तथा हाथ धोने, साफ पानी का उपयोग करने और नाखूनों की सफाई रखने की अपील की। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दवा वितरण और अभियान की प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम में बीसीपीएम, एचएस सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, शिक्षक और छात्र मौजूद रहे।

भीम आर्मी की जन चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं पर हुई खुली चर्चा

ग्रामीणों को संविधान के अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। भीम आर्मी भारत एकता मिशन द्वारा विधानसभा 128 बरखेड़ा के ग्राम भूड़ा विक्रमपुर में एक भव्य जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर अपने क्षेत्र की समस्याओं को खुलकर रखा।

जन चौपाल में भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय, जिला संगठन सचिव शेरा बाल्मीकि, हरीश कुमार गंगवार तहसील अध्यक्ष, बीसलपुर एवं महेंद्र पाल गौतम तहसील अध्यक्ष, पीलीभीत सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जन चौपाल केवल एक बैठक नहीं, बल्कि जनता और संगठन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना तथा शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों की आवाज़ को मजबूती से उठाना भीम आर्मी भारत एकता मिशन की प्राथमिकता है। जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेंशन, राशन तथा अन्य स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। पदाधिकारियों ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के समक्ष उन्हें प्रमुखता से उठाकर समाधान के लिए संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय ने कहा कि 'जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय, सम्मान और अपने अधिकारों से वंचित रहेगा, तब तक भीम आर्मी भारत एकता मिशन उसकी आवाज़ बनकर संघर्ष करता रहेगा। हमारा उद्देश्य केवल समस्याएँ गिनाना नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए जनता के साथ मिलकर निरंतर प्रयास करना है।' कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों से संगठन से जुड़कर सामाजिक न्याय, शिक्षा, भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के प्रयास का आरोप, पिपराइच पुलिस ने युवक को दबोचा

गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और हत्या के प्रयास के गंभीर आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान वीरु भारती पुत्र चौथी प्रसाद, निवासी ग्राम अगया (बड़ा टोला), थाना पिपराइच, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाने और गंभीर मामलों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी चौरीचौरा के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष पिपराइच अनूप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि नाबालिग से संबंधित मामले में थाना पिपराइच पर मु0अ0सं0-395/2026 दर्ज किया गया था। मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1), 109, 115(2), 352 और 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस का आरोप है कि मामले में आरोपी की संलिप्तता सामने आने के बाद उसकी गिरफ्तारी की गई। पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसे आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए आगे की कार्रवाई में शामिल किया है। पुलिस के मुताबिक, प्रकरण की विवेचना जारी है और मामले से जुड़े तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। नाबालिग से जुड़े इस गंभीर मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस की कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अनूप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक विकास कुमार साहू, हेड कांस्टेबल अरविन्द यादव तथा कांस्टेबल उपेन्द्र यादव शामिल रहे। पुलिस ने मामले में गिरफ्तार आरोपी का नाम और पता भी जारी किया है। फिलहाल विवेचना के दौरान सामने आने वाले अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

माधौटांडा पुलिस ने कांवड़ियों पर की पुष्पवर्षा, बांटे फल

पूरनपुर (पीलीभीत)। सावन के पवित्र माह में माधौटांडा पुलिस सुरक्षा के साथ-साथ कांवड़ियों की सेवा में भी तत्पर दिखाई दे रही है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं का पुलिसकर्मियों ने आत्मीय

स्वागत किया। कस्बा इंचार्ज लोकेश कुमार व उनकी टीम ने अवनीश गुप्ता के जत्थे को फल वितरित किए, वहीं रमनगरा चौकी क्षेत्र में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की गई। पुलिस के इस सेवा भाव और सम्मान से गदगद कांवड़ियों ने पुलिस प्रशासन की जमकर सराहना की। पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक यात्रा करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की।

चौकी के पास युवक की पिटाई का वीडियो वायरल, पुलिस ने पीड़ित पर ही दर्ज किया मुकदमा

पूरनपुर (पीलीभीत)। पुलिस चौकी के पास एक युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में अहम बात यह है कि वायरल वीडियो में पिटने वाले पीड़ित पर ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिसको लेकर पुलिस कार्यवाही पर सवाल उठ रहे हैं। नगर में पुलिस चौकी के पास एक युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। खास बात यह है कि वायरल वीडियो में पिटाई का शिकार दिखाई दे रहे युवक के खिलाफ ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामला रविवार की रात का बताया जा रहा है। पुलिस को दिए शिकायती पत्र के मुताबिक मोहल्ला कायस्थान निवासी विकास कश्यप ने बताया कि वह रात करीब साढ़े नौ बजे घरेलू सामान लेकर बाजार से वापस लौट रहा था। स्टेशन रोड स्थित शराब भट्ठी के पास लाइनपार निवासी सीबू पुत्र असलम कथित तौर पर नशे की हालत में उसके पास आया और पैसे मांगने लगा। आरोप है कि पैसे देने से मना करने पर सीबू ने गाली-गलौज करते हुए विकास के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि लोगों को आता देख सीबू वहां से भाग गया और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान युवक की कथित पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें युवक अर्धनग्न अवस्था में दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सोमवार दोपहर कोतवाल पवन पांडे ने बताया कि सीबू ने विकास कश्यप के साथ मारपीट की थी। मामले में सीबू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

नाबालिग बालिका से अश्लील बातें करने के आरोप में मुकदमा दर्ज, आरोपियों की तलाश तेज

ज्ञानपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बालिका के साथ अश्लील एवं आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करने और आए दिन छेड़छाड़ किए जाने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बालिका की परिजन द्वारा 9 अगस्त को थाना ज्ञानपुर में लिखित तहरीर देकर गांव के ही कुछ युवकों के खिलाफ शिकायत की गई थी। तहरीर में आरोप लगाया गया कि आरोपी नाबालिग बालिका के साथ आए दिन अश्लील एवं आपत्तिजनक बातें करते हुए उसे परेशान करते हैं। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की है। टीम द्वारा आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फरेंदा-सोनौली हाईवे पर 28 वाहन चालकों पर कार्रवाई, 56 हजार रुपये जुर्माना वसूला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए महराजगंज पुलिस अब सख्त हो गई है। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देश पर शनिवार को थाना फरेंदा क्षेत्र के फरेंदा-सोनौली अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर यातायात पुलिस ने स्पीड राडार लगाकर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान इंटरसेप्टर वाहन में लगे राडार गन से तेज गति से आ रहे वाहनों की गति मापी गई। निर्धारित सीमा से अधिक रफ्तार पर दौड़ रहे 28 वाहन चालकों के ओवरस्पीड चालान किए गए। यातायात नियम तोड़ने वालों से 56 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया।

यातायात पुलिस ने अभियान के दौरान वाहन चालकों को समझाते हुए कहा कि तेज रफ्तार से न केवल उनकी जान को खतरा है बल्कि दूसरों के लिए भी परेशानी बनती है। पुलिस ने अपील की कि सभी लोग निर्धारित गति सीमा का पालन करें और सुरक्षित वाहन चलाएं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आमजन की सुरक्षा के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

एसपी के निर्देश पर यातायात पुलिस का विशेष अभियान, तेज रफ्तार पर कसी नकेल

मॉरीशस में नौकरी का झांसा देकर 7 नेपाली युवकों से 16 लाख की ठगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवा महाराजगंज। अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी और हवाला कारोबार का एक बड़ा मामला सामने आया है। नेपाल के रूपंदेही जिले के 7 युवकों को मॉरीशस में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 16 लाख रुपये की ठगी की गई। आरोपी ने फर्जी वीजा थमाकर सभी को मॉरीशस भेजा, जहां एयरपोर्ट पर ही वीजा फर्जी निकलने पर 13 जून 2026 को सभी को मुंबई डिपोर्ट कर दिया गया। पीड़ित ध्रुव नारायण मिश्रा ने नेपाल दूतावास, नई दिल्ली में प्रार्थना पत्र देकर हृद्ध और श्वष्ठ से जांच की मांग की है।

क्या है पूरा मामला? ध्रुव नारायण मिश्रा के अनुसार, सिद्धार्थनगर के लोटन थाना क्षेत्र निवासी आरोपी इबरार ने बुटवल, नेपाल में मिलकर उन्हें और गांव के 6 अन्य युवकों को मॉरीशस में नौकरी का भरोसा दिया।

ठगी का हवाला मॉडल: आरोपी ने नेपाल में अपने साथी अब्दुल रऊफ धुनिया के बैंक खाते में 4 लाख नेपाली रुपये जमा कराए। भारत में अपने बैंक खाते में भी पैसा मंगवाया। बाकी रकम नगद ली गई। जांच में सामने आया कि गिरोह नेपाल में पैसा लेने के लिए नेपाली सदस्य का और भारत में भारतीय सदस्य का खाता इस्तेमाल करता है। यही उनका स्थापित हवाला मॉडल है।

यात्रा और डिपोर्ट– 03 जून 2026 को आरोपी सभी को दिल्ली लाया। 12 जून को फर्जी वीजा देकर मॉरीशस की फ्लाइट में बैठाया और दिल्ली एयरपोर्ट से गायब हो गया। 13 जून को मॉरीशस पहुंचने पर वहां के अधिकारियों ने वीजा फर्जी बताया और उसी दिन सभी को मुंबई डिपोर्ट कर दिया। भारतीय अधिकारियों ने मुंबई से नेपाल भेजने का टिकट कराया।

गिरोह का नेटवर्क – शिकायत के अनुसार आरोपी भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी और हवाला का बड़ा नेटवर्क चलाता है। उसके गिरोह में दोनों देशों के कई सदस्य शामिल हैं। नेपाली सदस्य अब्दुल रऊफ धुनिया फिलहाल सऊदी अरब से गिरोह का संचालन कर रहा है।

स्थानीय पुलिस पर सवाल: पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद सिद्धार्थनगर के लोटन थाने में शिकायती पत्र दिया था, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। थक-हारकर अब नेपाल दूतावास में गुहार लगाई गई है। वीरेंद्र मल्लाह, अन्नराज मल्लाह, प्रकाश मल्लाह, राजाराम मुराऊ, अभिमन्यु मल्लाह, इसराइल धुनिया व ध्रुव नारायण मिश्रा ने कार्यवाही की माँग को है।

दिमागी रूप से कमजोर बालक रास्ता भटकर पहुंचा रेलवे स्टेशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। थाना जीआरपी द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना देकर बताया कि एक लगभग 10 वर्षीय बालक लापता की स्थिति में मिला है, जोकि अपना पता बता पाने में असमर्थ है। सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन सुपरवाइजर राहुल मौर्य एवं केस वर्कर प्रतुल सिंह मौके पर पहुंचे और बालक को अपनी सुपुर्दगी में लेकर जानकारी ली, तो बालक द्वारा अपना नाम व पिता का नाम ही बता पा रहा था, बालक अपने गांव का नाम भी बता नहीं पा रहा है। बालक ने परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह को काउंसलिंग के दौरान यह बताया कि उसकी एक बहन वीरांगना में पढ़ाई करती है, जिस कारण परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह ने पीलीभीत के आस-पास के गांव के प्रधानों से संपर्क करना शुरू किया तो पता चला, कि बालक थाना कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। ग्राम प्रधान ने बताया कि बालक को शुगर की बीमारी है और बालक के दिमागी रूप से भी थोड़ा सही नहीं है, बालक आज सुबह शुगर का इंजेक्शन लगाने के बाद अपने घर से बिना बताए ही कही चला गया था। चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता के चलते आज फिर एक लापता की स्थिति में प्राप्त बालक के पता पुष्टि होने पर 24 घंटे के अंदर बाल कल्याण समिति पीलीभीत के आदेश पर बालक को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

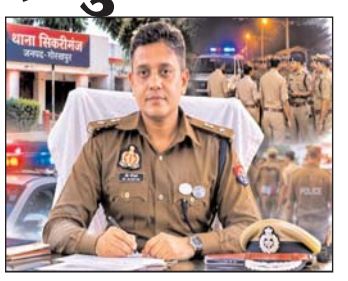

32.21 ग्राम अवैध स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार बरामद

प्रतापगढ़। थाना रानीगंज पुलिस द्वारा 32.21 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ (स्मैक) के साथ एक अभियुक्त चन्दन सैनी को थाना रानीगंज क्षेत्रान्तर्गत पृथ्वीगंज-रानीगंज बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया गया। उ0नि0 अंकित श्रीवास्तव मय हमराह पुलिस बल के साथ रात्रि गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध नशीला पदार्थ (स्मैक) लेकर ग्राम राजापुर में सड़क के किनारे खड़ा है और उसे बेचने के लिए कहीं जाने की तैयारी में है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर उक्त व्यक्ति भागने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा पीछा कर कुछ दूरी पर पकड़ लिया गया।पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम चन्दन सैनी (माली) पुत्र स्व0 लालजी, निवासी ग्राम तोडरपट्टी, थाना रानीगंज, जनपद प्रतापगढ़, उम्र करीब 26 वर्ष बताया। जामातलाशी लिए जाने पर उसके कब्जे से पन्नी में रखी 03 भूरे रंग की पुड़िया बरामद हुई जो प्रथम दृष्टया स्मैक प्रतीत हुआ। उक्त पदार्थ को तौले जाने पर कुल वजन 32.21 ग्राम पाया गया। अभियुक्त के कब्जे से 230 रुपए नगद भी बरामद हुए।

एसएसपी का एक्शन, प्रभारी निरीक्षक अंजुल चतुर्वेदी पुलिस लाइन भेजे गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली खुर्द में हुई हिंसक घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर डॉ. कौस्तुभ ने बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया है। घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर उठे सवालों के बीच एसएसपी ने सिकरीगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए पुलिस लाइन भेज दिया है। वहीं पैडलेगंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आशीष कुमार दूबे को सिकरीगंज थाने का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एसएसपी कार्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जनहित में निरीक्षक और उपनिरीक्षक की तत्काल प्रभाव से नई तैनाती की गई है। संबंधित अधिकारियों को आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के मुताबिक निरीक्षक अंजुल कुमार चतुर्वेदी, पीएनओ संख्या

012460234, जो सिकरीगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक के पद पर तैनात थे, उन्हें अब पुलिस लाइन गोरखपुर भेजा गया है। वहीं उपनिरीक्षक आशीष कुमार दूबे, पीएनओ संख्या 192327826, जो वर्तमान में पैडलेगंज चौकी प्रभारी के पद पर तैनात थे, उन्हें सिकरीगंज थाने का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है।

गौरतलब है कि सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली खुर्द गांव में हिंसक वारदात के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया। इसी घटनाक्रम के बीच अब थाना प्रभारी के स्तर पर किया गया यह फेरबदल पुलिस विभाग में बड़ी कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ के इस फैसले से साफ संकेत है कि जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संवेदनशील घटनाओं के बाद पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नए थानाध्यक्ष आशीष कुमार दूबे के सामने सिकरीगंज क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना, घटना से जुड़े मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करना और क्षेत्र में पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा कायम रखना बड़ी चुनौती होगी। अधिकारियों के तबादले के साथ ही पुलिस महकमे में यह संदेश भी गया है कि संवेदनशील मामलों में तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनपदीय सिंचाई बन्धु की होगी आज बैठक

प्रतापगढ़। जनपदीय सिंचाई बन्धु की बैठक आज मंगलवार को पूर्वान्ह 11 बजे कार्यालय सिंचाई खण्ड प्रतापगढ़ मे आहूत की गयी है। बैठक की अध्यक्षता अधिशासी अभियन्ता/सचिव सिंचाई बन्धु अरविन्द वर्मा द्वारा की जायेगी। बैठक में जनपद के जनप्रतिनिधिगण, जनपदीय अधिकारी एवं कृषकगण आमंत्रित है। समस्त सम्बन्धित बैठक में ससमय प्रतिभाग करें।

काव्य की विविध रंगों से सजा 'अक्षरलोक सम्मान' समारोह

प्रहर्ष फाउंडेशन के तत्वावधान में भव्य काव्योत्सव का आयोजन, साहित्यकारों और रचनाकारों को किया गया समानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रहर्ष फाउंडेशन के तत्वावधान में जन प्रहर्ष परिवार की ओर से भव्य काव्योत्सव एवं 'अक्षरलोक सम्मान' समारोह का आयोजन किया गया। साहित्य, कविता और पत्रकारिता से जुड़े लोगों की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में रचनाकारों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। इस दौरान साहित्य एवं रचनात्मक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले साहित्यकारों और कवियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में 'अक्षरलोक शीर्ष सम्मान' से मनमोहन मिश्रा को सम्मानित किया गया, जबकि 'अक्षरलोक युवा सम्मान' पवन बाथम को प्रदान किया गया। समारोह में सुनीत कुमार 'सुनीत', सैयद सलाउद्दीन, कमल किशोर एसपी और पंडित धीरज मिश्रा 'शांडिल्य' सहित अनेक साहित्यप्रेमियों, रचनाकारों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। समारोह की अध्यक्षता डॉ. संजय शौक ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रामकृष्ण यादव ने कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने साहित्यिक आयोजनों को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि साहित्य समाज को संवेदनशील बनाने के साथ लोगों को अपनी संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने का काम करता है।

कवियों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

काव्योत्सव के दौरान लखनऊ शहर और आसपास के क्षेत्रों से आए कवियों ने अपनी रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। अंशु 'प्रिया' दुबे, सुधा गुप्ता, वंदना विशेष, वत्सला पांडे, रूही शुक्ला, योगी योगेश शुक्ला, राज्य वर्मा 'वत्सल', पूनम मिश्रा, लोकेश त्रिपाठी, ओम शर्मा 'ओम', सुभाष चंद 'रसिया', मंजुल मिश्रा 'मंजर', रेनू द्विवेदी, निशा सिंह, अरविंद झा, महेश चंद्र गुप्ता, लक्ष्मी शुक्ला, अलका अस्थान, आलोक रंजन मिश्रा, हरीश मिश्रा और प्रज्ञा त्रिपाठी सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। कवियों की रचनाओं में ओज, हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार, संवेदना और सामाजिक सरोकारों का विविध रंग देखने को मिला। ओजपूर्ण कविताओं ने श्रोताओं में उत्साह का संचार किया, वहीं हास्य और व्यंग्य से जुड़ी रचनाओं ने लोगों को खूब गुदगुदाया। श्रृंगार और संवेदना से ओतप्रोत कविताओं ने कार्यक्रम में भावनात्मक गहराई जोड़ दी। कवियों की एक के बाद एक प्रस्तुतियों पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। श्रोताओं ने रचनाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की।

लकी ड्रॉ ने बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम के दौरान प्रहर्ष फाउंडेशन की ओर से लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों के बीच विजेताओं का चयन किया गया और उन्हें आकर्षक उपहार देकर समानित किया गया। लकी ड्रॉ को लेकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन साहित्य और कविता के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने के साथ-साथ नए रचनाकारों को मंच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साहित्य समाज को जोड़ने, विचारों को अभिव्यक्ति देने और सामाजिक सरोकारों को सामने लाने का सशक्त माध्यम है।

नवोदित रचनाकारों को मंच देने पर जोर

आयोजकों के अनुसार, काव्योत्सव का उद्देश्य विभिन्न विधाओं में रचनात्मक कार्य कर रहे कवियों और साहित्यकारों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है। ऐसे आयोजनों से नवोदित रचनाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और साहित्यिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में व्यंजन शुक्ला, पत्रकार विपिन शर्मा और प्रमोद द्विवेदी सहित अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी सहयोगियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में योगदान दिया। कार्यक्रम की निवेदक डॉ. सुमन दुबे की भी आयोजन में विशेष भूमिका रही। उनके प्रयासों और सभी सहयोगियों के सामूहिक योगदान से समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह के अंत में आयोजकों ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, सम्मानित साहित्यकारों, कवियों, साहित्यप्रेमियों और उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी साहित्य, कविता और रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले ऐसे आयोजन जारी रखे जाएंगे।

भारत स्काउट एवं गाइड उप्र की मंडलीय संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लखनऊ मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश के स. प्रादेशिक आयुक्त डा. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में राजकीय इंटर कॉलेज, हुसैनाबाद, लखनऊ में मंडलीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जिला संस्था लखनऊ के संरक्षक एवं उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता डा. आर.पी. मिश्र, डायट के प्रवक्ता राम प्रवेश, राजकीय इ.का. के प्रधानाचार्य अमित कुमार सिंह, लखनऊ के मुख्यायुक्त डा. जे.पी. मिश्र, जिला सचिव अनिल शर्मा, सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त गरिमा पाल सहित मंडल के विभिन्न जनपदों के जिला मुख्यायुक्त, जिला सचिव, जिला संगठन आयुक्त, जिला प्रशिक्षण आयुक्त, लीडर ट्रेनर एवं एडल्ट रिसोर्स ने सहभागिता की। गोष्ठी को संबोधित करते हुए डा. प्रदीप कुमार ने जिला संगठन एवं प्रशिक्षण आयुक्तों को अधिकाधिक छात्र/छात्राओं को स्काउटिंग एवं गाइडिंग से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 'जब जागो तभी सवेरा' का संदेश देते हुए लखनऊ मंडल को देश में सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए प्राण-पण से जुटने का आवाहन किया। संगोष्ठी का संचालन प्रदेशिक संगठन आयुक्त एवं लखनऊ मंडल की नोडल अधिकारी रविन्द्र कौर सोखी ने किया तथा आभार प्रदर्शन लखनऊ के संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र ने किया।

काकोरी ट्रेन एक्शन डे पर क्रांतिकारियों के योगदान पर परिचर्चा, प्रतिभागी सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के काकोरी ट्रेन एक्शन डे के अवसर पर रविवार को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) की ओर से परिचर्चा, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'भारत की स्वतंत्रता में काकोरी के क्रांतिकारियों का योगदान' रहा। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों को काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े क्रांतिकारियों के त्याग, साहस और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में काकोरी के क्रांतिकारियों के जीवन, संघर्ष और देश की आजादी के लिए उनके बलिदान पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। साथ ही निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के सदस्य तरुणेश, प्रवक्ता धीरेंद्र सिंह, संस्थान के निदेशक डॉ. राकेश सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी प्रभुनाथ सिंह, इंदिरा नगर आवासीय समिति के अध्यक्ष देवी शरण त्रिपाठी, वित्त एवं लेखाधिकारी सुशील कुमार बच्चा, इंदिरा नगर जैन सभा के पवन कुमार जैन, आवासीय जनकल्याण समिति इंदिरा नगर के अध्यक्ष सुभाष शर्मा, संरक्षक डॉ. आरपी सिंह, आयुर्वेद संस्थान के सहायक निदेशक संजय कुमार सिंह, पूर्व वित्तीय अधिकारी सुरेश पांडे, उत्तर प्रदेश राज्य लोक सेवा अधिकरण के पुस्तकालय अध्यक्ष हिमांशु शेखर पांडे, संतोष कुमार श्रीवास्तव तथा डॉ. वेन. जुलम्पितिये पुण्यसार थेरो, सहायक आचार्य, इस्लाम शामिल रहे। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास और काकोरी के अमर क्रांतिकारियों के योगदान से जोड़ना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों की सहभागिता रही।

सागौन कटान मामले में किसान पुत्र पर मुकदमे का आरोप, किसान संगठन ने खोला मोर्चा

10 दिन का आश्वासन पूरा न होने पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया तहसील कूच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इस अवसर पर पिसावां सिधौली, गोंदलामऊ, सीतापुर आदि क्षेत्रों से सैकड़ों किसानों ने भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा संगठन की सदस्यता ली, वही जिलाध्यक्ष डॉ. अजय पाल ने सभी सदस्यों गमछा व टोपी पहना कर संगठन में स्वागत किया।

सीतापुर। मिश्रिख तहसील क्षेत्र के जरिगवां गांव में सागौन के पेड़ों की कटान को लेकर किसान पुत्र पर मुकदमा दर्ज किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों और किसान संगठन ने वन विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार एक किसान ने अपने सागौन के पेड़ लकड़ी ठेकेदारों को बेचे थे। आरोप है कि ठेकेदारों द्वारा कथित रूप से बिना आवश्यक परमिट के पेड़ों का कटान कराया गया। मामला सामने आने के बाद वन विभाग के वन दरोगा द्वारा किसान के पुत्र दधीच सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि दधीच सिंह का पेड़ों की कटान से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंध नहीं था और किसी के इशारे पर रंजिशन उसे मामले में फंसाया गया है। उनका यह भी आरोप है कि मुकदमे के जरिए किसान पुत्र के भविष्य को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा ने जिलाध्यक्ष डॉ. अजय पाल के नेतृत्व में मिश्रिख एसडीएम को पूर्व में ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। संगठन के मुताबिक एसडीएम ने 10 दिन में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। निर्धारित समय बीतने के बाद भी कार्रवाई न होने पर 10 अगस्त को संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता जरिगवां से मिश्रिख तहसील के लिए रवाना हो गए। आंदोलन की जानकारी मिलते ही एसडीएम मिश्रिख जरिगवां पहुंचे और किसान संगठन कार्यालय में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में ज्ञापन लिया। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए एक सप्ताह का समय दिया। वहीं जिलाध्यक्ष डॉ. अजय पाल ने कहा कि यदि निर्धारित समय में किसान पुत्र को न्याय नहीं मिला तो संगठन अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेगा। उन्होंने आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होने की चेतावनी दी। अब निगाहें प्रशासन की जांच और आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं

शिवशक्ति सेवा समिति के तत्वावधान में निकली भव्य शिव पालकी यात्रा

बिसवां, सीतापुर। शिवशक्ति सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार को पत्थर शिवाला धाम से भव्य शिव पालकी यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

भगवान शिव के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। शिव पालकी यात्रा पत्थर शिवाला धाम से प्रारंभ होकर बड़े चौराहा, जहांगीराबाद चौराहा, मंगरहिया बाजार, स्टेशन रोड और सिनेमा रोड होते हुए पुनः पत्थर शिवाला धाम पहुंची। यात्रा के दौरान भगवान शिव के विभिन्न रूपों पर आधारित आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों को देखने के लिए मार्ग में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नगरवासी मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण भी किया गया। आयोजन के दौरान नगर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।

अज्ञात चोरों ने लाखों का सामान चुराया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। सदरपुर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने बीती रात एक घर के दरवाजों में पड़े तालों को तोड़कर घर में रखा सोने चांदी के जेवरात, बर्तन,नगदी व अन्य सामान सहित लाखों का माल चुरा ले गये। सुबह सोकर उठने पर घर वालों को चोरी होने की जानकारी हुई। पीड़ित ने सदरपुर थाने पर जाकर चोरी की लिखित तहरीर दे दी है। पुलिस जांच में जुट गई है।

सदरपुर थाना अन्तर्गत पिपरा खुर्द (अनंत सिंह) गांव निवासी मैकू लाल पुत्र बाबू राम के घर बीते 9/10 अगस्त की रात अज्ञात चोर मुख्य दरवाजे पर लगे चैनल में पड़े ताले को तोड़कर घर में प्रवेश कर गये। घर के अंदर कमरों के दरवाजों में पड़े ताले भी तोड़ दिये तथा कमरे में रखे लोहे के बड़े बक्से व छोटे बक्सों को खोलकर उसमें रखे सोने चांदी का जेवरात,छः हजार की नगदी व फूल के वजन बर्तन आदि लाखों की चोरी कर ले गये। बताते हैं कि मैकूलाल के तीन पुत्र हैं, तीनों पुत्र बाहर काम करते हैं जिसके कारण घर पर नहीं थे। मैकूलाल घर के बाहर बंधी भैंसों के पास सो रहे थे। घर में पत्नी , पुत्र बधुएं व एक विवाहिता पुत्री ही थीं जो सभी छत पर सो रही थीं। मैकू ने थाने जाकर घर में चोरी होने की अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। थानाध्यक्ष आशुतोष मिश्र ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच की जा रही है जल्द ही घटना का खुलासा किया जायेगा।

अवैध डेयरियों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई, 32 पशु पकड़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों और सार्वजनिक स्थानों पर घूमने वाले पशुओं के खिलाफ नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। सोमवार को जोन-6 के बालागंज, कैंपबेल रोड, ठाकुरगंज और हरदोई रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर नगर निगम की टीम ने 32 पशुओं को पकड़ा। इनमें 16 गाय और 16 भैंस शामिल हैं। सभी पशुओं को ठाकुरगंज स्थित कांजी हाउस में निरुद्ध कराया गया। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के निर्देश पर नगर निगम के प्रवर्तन दल और कैटिल कैचिंग दस्ते ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। अभियान के दौरान अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों तथा सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे पशुओं की निगरानी की गई और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की गई।

नालियां चोक होने से बढ़ रहा था जलभराव का खतरा

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में संचालित कुछ अवैध डेयरियों से निकलने वाला गोबर और अन्य अपशिष्ट नालियों में जमा होने के कारण जलनिकासी प्रभावित हो रही थी। बरसात के मौसम में नालियां चोक होने से जलभराव की स्थिति बनने के साथ ही आसपास गंदगी फैलने की शिकायतें सामने आ रही थीं।

मच्छरजनित बीमारियों का भी खतरा

डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि नालियों में गंदगी और जलभराव के कारण मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ जाती है। इससे मच्छरजनित बीमारियों के प्रसार का खतरा भी बना रहता है। जनस्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए नगर निगम की ओर से अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से डेयरी संचालित करने, नालियों को बाधित करने अथवा पशुओं को इस तरह रखने से आमजन को परेशानी होती है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हर घर तिरंगा अभियान एकता, सामूहिक शक्ति और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा अभियान' देश की एकता, सामूहिक शक्ति और राष्ट्रभक्ति की भावना का जीवंत प्रतीक बन चुका है। यह अभियान प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र के प्रति गौरव और समर्पण की भावना को मजबूत करने के साथ 'विकसित भारत' के निर्माण के संकल्प को भी नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के साथ 'हर घर तिरंगा अभियान' का जुड़ना इस राष्ट्रीय उत्सव को और अधिक गौरवपूर्ण एवं विशेष बना रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम्' ने देशवासियों में राष्ट्रभक्ति और स्वाधीनता की भावना का संचार किया था। आज भी यह गीत राष्ट्रीय चेतना और गौरव का प्रतीक है। केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेशवासियों से तिरंगा यात्राओं, तिरंगा रैलियों और सामूहिक 'वंदे मातरम्' गायन में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराए और परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी इस अभियान से जोड़े। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' महज एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता और गौरव की अभिव्यक्ति है।

छह जिलों में होंगी अग्निवीर भर्ती रैलियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में होने वाली अग्निवीर भर्ती रैलियों की तैयारियों को लेकर सोमवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में संबंधित विभागों और जिला प्रशासन की ओर से की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती स्थलों पर अभ्यर्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अग्निवीर भर्ती की यह तीसरी रैली है, जिसमें बड़ी संख्या में युवा अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करने तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने भर्ती स्थलों पर आवागमन, ठहरने, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और यातायात की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त चिकित्सकीय और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारी प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा कर कमियों को भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले दूर करने के निर्देश भी दिए।

इन जिलों में होगी भर्ती रैली

बैठक में बताया गया कि मेरठ में 17 अगस्त से 9 सितंबर 2026, बरेली में 14 से 30 सितंबर 2026, लखनऊ में 11 से 28 जनवरी 2027, वाराणसी में 2 से 27 फरवरी 2027, आगरा में 4 से 24 मार्च 2027 तथा अयोध्या में 29 मार्च से 14 अप्रैल 2027 तक अग्निवीर भर्ती रैलियां आयोजित की जाएंगी। बैठक में सचिव सामान्य प्रशासन अभिषेक प्रकाश, पुलिस कमिश्नर लखनऊ तरुण गाबा सहित भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बरेली, लखनऊ, वाराणसी, आगरा, अयोध्या और मेरठ के जिलाधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

दुकान का शटर तोड़कर पान मसाला और गुल्लक में रखे लाखों रुपये चोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। फत्तेखेड़ा मजरा कनकहा में रायबरेली रोड स्थित परचून की दुकान का शटर तोड़कर चोर पान मसाला और मिट्टी की गुल्लक में रखे करीब दो से तीन लाख रुपये चोरी कर ले गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की और सीसीटीवी फुटेज भी देखी। पीड़ित दुकानदार ने कनकहा चौकी पुलिस पर सूचना देने के बावजूद कार्रवाई में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मोहनलालगंज थाने में तहरीर दी है। फत्तेखेड़ा निवासी राम प्रताप पुत्र राम किशुन रायबरेली रोड पर परचून की दुकान चलाते हैं। उनके मुताबिक शनिवार रात करीब 10:30 बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। रात करीब 3:36 बजे गांव के लोगों ने फोन कर दुकान का शटर खुला होने की जानकारी दी। राम प्रताप तत्काल दुकान पहुंचे तो शटर आधा खुला मिला। उन्होंने 112 पर पुलिस को सूचना दी। कुछ देर बाद 112 पुलिस के साथ चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुकान की जांच कर वीडियो बनाया। राम प्रताप के अनुसार दुकान से एक बोरी पान मसाला गायब मिली। इसके अलावा करीब तीन वर्षों से बचत के लिए मिट्टी की बड़ी गुल्लक में जमा किए जा रहे 200 और 500 रुपये के नोट भी चोर गुल्लक तोड़कर ले गए। दुकानदार ने गुल्लक में करीब दो से तीन लाख रुपये होने का दावा किया है। पीड़ित का आरोप है कि उसने रविवार सुबह कनकहा चौकी प्रभारी को घटना की जानकारी देकर कार्रवाई की मांग की थी। दुकान में चोरी करने वाले संदिग्धों की सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस ने देखी, लेकिन इसके बावजूद अभी तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इससे नाराज पीड़ित ने मोहनलालगंज थाने में लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। चोरी की घटना की सूचना मिलने और सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने के बावजूद कार्रवाई में देरी के आरोप से कनकहा चौकी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

संपादकीय

बचाएं बचपन

बच्चों पर सोशल मीडिया की स्वच्छंदता से पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर भारतीय अभिभावक, शिक्षक व समाजविज्ञानी लंबे अरसे से गंभीर चिंता जताते रहे हैं। यह प्रभाव कितना भयावह व घातक है, ये बात पश्चिमी देशों की सरकारों, समाज व अदालतों को अब समझ में आई है। बच्चे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। किशोरों की यौन हिंसा और वयस्कों जैसे अपराधों में संलिप्तता, इसके घातक प्रभावों की बानगी है। सोशल मीडिया पर बच्चों की नजर से ऐसे वीडियो गुजरते हैं, जिसमें स्वच्छंद यौन व्यवहार होता है। कुछ लोग व कंपनियां मुनाफे के लिए ऐसे वीडियो अपलोड कर रहे हैं, जो भारतीय संस्कृति में पवित्र माने जाने वाले पारिवारिक रिश्तों, गुरु-शिष्य संबंधों और डॉक्टर मरीज के रिश्तों के वर्जित क्षेत्रों का अतिक्रमण करते नजर आते हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि कोरी स्लेट जैसे बालमन पर इसका कितना घातक असर पड़ता होगा ? उसे पवित्र रिश्तों की दरकन और यौन-स्वच्छंद तथा गंभीर अपराध आम नजर आने लगते हैं। अमेरिका तथा कुछ अन्य विकसित देशों के स्कूलों में दना-दन गोलियां चलाते बच्चे इंटरनेट पर प्रसारित घातक सामग्री देखने से उपजी सनक की ही देन है। निस्संदेह, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा हेतु डिजिटल दुनिया को साफ-सुथरा रखने की जरूरत है। यही वजह है कि एक अमेरिकी अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मातृ संस्था मेटा पर 5,390 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना ज्यादा नहीं है क्योंकि पिछले साल कंपनी ने साठ अरब डॉलर का मुनाफा कमाया। दरअसल, मेटा पर जुर्माना लगाने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अदालत ने कंपनी को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये अपने प्लेटफॉर्म में बदलाव करने को कहा है। दरअसल, न्यू मेक्सिको की अदालत ने स्वीकारा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिये घातक हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कई राज्यों में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमें चल रहे हैं। फ्रांस व आस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया पर सक्रियता को लेकर बच्चों की उम्र की सीमा तय की गई है। हकीकत यह है कि कंपनी ने ये प्लेटफॉर्म अपने मुनाफे के लिये इस तरह तैयार किए हैं ताकि बच्चों को इसकी लत लग जाए। पिछले दिनों भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों को बुलाकर विरोध जताया था कि उसके एक प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन भारी मुनाफा कमाकर प्रसारित किए गए। अमेरिकी अदालत ने भी माना है कि मेटा के प्लेटफॉर्म बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रहे हैं। यही वजह कि कोर्ट ने लगाए गए जुर्माने की राशि का एक भाग ऐसे पीड़ितों को मुआवजे के तौर पर देने के आदेश दिए हैं। समय आ गया है कि सोशल मीडिया कंपनियों को सामाजिक जवाबदेही के लिये बाध्य किया जाए। लेकिन यह नहीं हो कि अमेरिका के बच्चों के लिये अलग कानून और विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के लिये अलग कानून हो। हमारी सरकारों को भी इन सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर गैर-कानूनी सामग्री प्रसारित करने के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना होगा।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है। पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार-हत्या के मामले बढ़ते चले गए।

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कानूनों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना—दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है। पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार—हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए। आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके। यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।

रोजाना करें भेकासन, शरीर में आएगी नई ऊर्जा और लचीलापन

आधुनिक जीवनशैली में सुकून और ताजगी की तलाश के लिए योग से बेहतर और कोई उपाय नहीं हो सकता है। योगासन पद्धति में भेकासन एक ऐसा आसन है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर बताया गया है। भेकासन संस्कृत भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। भेक का अर्थ मेंढक होता है, जबकि आसन का अर्थ मुद्रा होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा कुछ-कुछ मेंढक के समान होती है, जिस वजह से इसे मेंढक आसन भी कहते हैं। भेकासन में पीठ को पीछे की तरफ मोड़कर स्ट्रेच किया जाता है। इसे करने के लिए शरीर के मध्य हिस्से की रीढ़ की हड्डी में काफी लचीलापन और ताकत चाहिए। इसके निरंतर अभ्यास से एडियां, घुटने और टखने मजबूत होते हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, भेकासन करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है और शरीर हल्का महसूस होता है। इस आसन से शरीर के कई हिस्सों की मांसपेशियों को फायदा होता है। खासकर पीठ के निचले हिस्से, बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, पेट की मांसपेशियां, पैर, टखने, घुटने और जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने से मांसपेशियों में खिंचाव आता है और धीरे-धीरे उनकी ताकत बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा फुर्तीला और मजबूत बनता है। भेकासन मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में काफी असरदार माना जाता है। इसे करने से शरीर के कई हिस्सों पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनकी ताकत धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। खासकर हाथ, पैर, पीठ और पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। रोजाना अभ्यास से शरीर में एक अलग ही मजबूती का एहसास होता है।

भेकासन करने के लिए सबसे पहले आराम से पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ें और पैरों को पीछे की ओर लेकर सिर के करीब लाने की कोशिश करें। दोनों हाथों से अपने टखनों या पैरों को पकड़ लें। ध्यान रखें कि छाती जमीन से लगी रहे और सांस सहज बनी रहे। इस स्थिति में कुछ सेकंड तक टिके रहें, फिर धीरे-धीरे पैरों को खोलकर आराम करें। कलाई या कोहनी में दर्द हो तो न करें। उच्च रक्तचाप के रोगी इसे न करें या फिर किसी स्पेशलिस्ट की सलाह पर ही करें।

स्वाध्याय देता है सम्यक् समझ की अंतर्दृष्टि

लेकिन जिस गहराई एवं व्यापकता में इस अंत:अवलोकन एवं आत्मविश्लेषण की आवश्यकता रहती है, वह मात्र स्वयं की बौद्धिक समझ के आधार पर सयक रूप में संभव नहीं हो पाती। जबकि स्वाध्याय के प्रकाश में यह कार्य सहज एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हो जाता है।स्वाध्याय का अर्थ है सद्ग्रंथों के प्रकाश में स्वयं का अध्ययन। स्वयं का अध्ययन तो मनोविज्ञान भी करता है, लेकिन इसकी अपनी सीमाएं हैं। यह अचेतन मन की अंधेरी परतों के पार प्रकाश नहीं डाल पाता, योंकि अभी तक आधुनिक मनोविज्ञान का स्वरूप पूरी तरह से प्रकाशित नहीं है। यह अचेतन या अवचेतन मन की सीमाओं में ही जीवन को परिभाषित करता है। इन्हीं सीमाओं में जीवन के समाधान प्रस्तुत करता है, जो अंतरात्मा को संतुष्ट नहीं कर पाते। वहीं ऋषियों द्वारा, प्राज्ञ पुरुषों द्वारा रचित साहित्य अचेतन को भी प्रकाशित करने वाले प्रकाश-स्रोत की ओर संकेत करता है, उससे परिचय करवाता है।

व्यक्ति की सामान्य वृत्ति बहिर्मुखी रहती है और समाज का चलन भी उसे इसी दिशा में प्रेरित-प्रवाहित रखता है। स्वयं को समझने के लिए जिस प्रकाश की आवश्यकता रहती है, वह अंतर्मुखी मन के साथ ही उपलब्ध हो पाता है। इसके लिए टिककर कुछ पल ठहरने और अंदर निहारने की आवश्यकता होती है। अंत:करण के कोने-कातर में छिपे दोष-दुर्गुणों, आदतों-संस्कारों का अवलोकन करना पड़ता है। अपनी सामान्य बुद्धि एवं समझ के आधार पर भी इसे किया जा सकता है। लेकिन जिस गहराई एवं व्यापकता में इस अंत:अवलोकन एवं आत्मविश्लेषण की आवश्यकता रहती है, वह मात्र स्वयं की बौद्धिक समझ के आधार पर सम्यक रूप में संभव नहीं हो पाती। जबकि स्वाध्याय के प्रकाश में यह कार्य सहज एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हो जाता है।स्वाध्याय का अर्थ है सद्ग्रंथों के प्रकाश में स्वयं का अध्ययन। स्वयं का अध्ययन तो मनोविज्ञान भी करता है, लेकिन इसकी अपनी सीमाएं हैं। यह अचेतन मन की अंधेरी परतों के पार प्रकाश नहीं डाल पाता, क्योंकि अभी तक आधुनिक मनोविज्ञान का स्वरूप पूरी तरह से प्रकाशित नहीं है। यह अचेतन या अवचेतन मन की सीमाओं में ही जीवन को परिभाषित करता है। इन्हीं सीमाओं में जीवन के समाधान प्रस्तुत करता है, जो अंतरात्मा को संतुष्ट नहीं कर पाते। वहीं ऋषियों द्वारा, प्राज्ञ पुरुषों द्वारा रचित साहित्य अचेतन को भी प्रकाशित करने वाले प्रकाश-स्रोत की ओर संकेत करता है, उससे परिचय करवाता है। इसे जीवन में धारण करने का मार्गदर्शन प्रदान करता है।ऐसे आध्यात्मिक साहित्य के अध्ययन, पारायण एवं चिंतन-मनन के साथ वह अंतर्दृष्टि विकसित होती है, जो जीवन की सम्यक समझ को विकसित करती है। इसके विभिन्न आयामों से परिचय करवाती है। व्यक्तित्व के चेतन, अचेतन एवं सुपरचेतन—सभी पक्ष इसके अवलोकन के दायरे में आ जाते हैं। स्वाध्याय के साथ आत्मचिंतन करते हुए व्यक्ति अंतरमन के गहनतर स्तर पर स्वयं का विश्लेषण कर पाता है। इसी सुधार एवं परिष्कार की प्रक्रिया गहनतम स्तर पर संभव हो पाती है। इस प्रकाश के अभाव में व्यक्ति अंधेरे में भटकता रहता है। धन, सत्ता, ऐश्वर्य एवं सुख-भोग में जीवन के आदि और अंत को तलाशता है और जीवन में सुख, शांति व आनंद की कामना करता है, जो मृगतृष्णा ही साबित होते हैं। बल्कि जीवन तनाव, अवसाद एवं हताशा-निराशा के अंधेरे में खो जाने के लिए अभिशप्त होता है। पश्चाताप के साथ इसका अवसान होता है। स्वाध्याय व्यक्ति को इस त्रासदी से बचाता है, उबारता है। वह समझ पैदा करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति अपने जीवन की कमान अपने हाथों में लेता है और जीवन की चरम संभावनाओं की ओर अग्रसर होता है। कोई भी पुस्तक पढ़ने से स्वाध्याय का प्रयोजन पूरा नहीं हो जाता। इसके लिए आध्यात्मिक रूप से प्रकाशित महापुरुषों, मानवीय चेतना के मर्मज्ञ ऋषियों द्वारा रचित ग्रंथों का पारायण सर्वश्रेष्ठ रहता है, जो मानवीय मन एवं व्यक्तित्व की सभी परतों को समझने और इनके पार जाने का मार्ग सुझाते हों। जीवन में जिस स्तर का रूपांतरण हम चाहते हैं, उसी अनुरूप पुस्तकों का चयन एवं पारायण अपेक्षित रहता है। ईमानदारी से जिन्होंने अपने जीवन को बदलने के सफल प्रयास किए हों, उनकी पुस्तकें हमें पथ की बारीकियों से परिचित करवाने में बहुत सहायक रहती हैं।प्रश्न उठता है कि स्वाध्याय कब व कैसे करें। स्वाध्याय प्रभावशाली हो, इसके लिए एक सार्वकालिक अनुभूत विधि है कि प्रात: जब स्नान के बाद ध्यान या आत्मचिंतन के लिए बैठते हों, उस समय स्वाध्याय का प्रयोग करें। इस समय मन स्वत: ही शांत, स्थिर, एकाग्र एवं ग्रहणशील अवस्था में होता है। अपने सामान्य ध्यान-पूजन के बाद चयनित पुस्तक का एक पन्ना, या एक पैरा, या कुछ श्लोक अर्थ-चिंतन के साथ इस क्रम में पढ़े जा सकते हैं। इस दौरान एक विचार, जो अंतर्चेतना को गहनतम स्तर पर छू गया हो, उसे दिन का विचार या गुरु-मंत्र मानते हुए एक कागज या पॉकेट डायरी में नोट करें। दिन भर इस पर विचार करें। फुर्सत के पलों में इसे निहारें, इसका मनन करें और जीवन में धारण करने का प्रयास करें। शाम या रात को सोने से पहले, जब एकांत में हों, तो चिंतन करें कि विचार कितने अंशों में, किस स्तर पर लागू हो पाया। स्वाध्याय के साथ चिंतन-मनन एवं आत्म-अवलोकन का यह प्रयोग क्रमश: एक अंतर्दृष्टि विकसित करेगा। स्वाध्याय से संगृहीत विचार, एक सेना के रूप में आपके तरकश में एकत्र होंगे, जो जीवन के कठिन दौर में, विषम परिस्थितियों में, जब नकारात्मक और अवांछनीय विचारों की सेना आपको परास्त करने के लिए हावी होगी, तब आपके काम आएंगे। विषादग्रस्त अर्जुन की भांति आपकी विषादमय मन:स्थिति में यही विचार श्रीकृष्ण की भांति सारथी बनकर आपका मार्गदर्शन कर रहे होंगे।

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्साह और नई ऊर्जा से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी सहकर्मी या परिचित व्यक्ति का सहयोग मिलने से ऐसे काम भी आसानी से पूरे हो सकते हैं, जिनमें पहले परेशानी आ रही थी। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होगी और उसके आधार पर आप अपने काम करने के तरीके में बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ-वृषभ राशि के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण निर्णयों वाला हो सकता है। आप किसी ऐसे मामले में फैसला ले सकते हैं, जिसे लंबे समय से टालते आ रहे थे। **मिथुन**-मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन सकारात्मक रहने वाला है। आपको अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए, जिनसे समय और ऊर्जा दोनों व्यर्थ हों।

कर्क-कर्क राशि के लिए आज का दिन अनुकूल रहने की संभावना है। किसी पुराने काम को नए तरीके से करने का विचार आपके सामने आ सकता है और इससे काम को पूरा करना आसान हो जाएगा। **सिंह** -सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहतर रहने वाला है। कारोबार से जुड़े मामलों में जल्दबाजी करने के बजाय धैर्य बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कन्या -कन्या राशि के लिए आज का दिन कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा। कारोबार करने वाले जातकों को अपने उत्पाद और सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाने पर ध्यान देना चाहिए।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्साहपूर्ण रह सकता है। कार्यक्षेत्र से जुड़े किसी काम के कारण अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है और इस दौरान किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात संभव है, जिससे आपको नई जानकारी या अनुभव प्राप्त होगा।

वृश्चिक -वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। आप कुछ समय मनोरंजन और पसंदीदा गतिविधियों में बिताकर खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके द्वारा किया गया कोई अच्छा काम लोगों की प्रशंसा का कारण बन सकता है, जिससे समाज और परिवार में आपका सम्मान बढ़ेगा।

धनु -धनु राशि के लिए आज का दिन राहत और सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। परिवार में पिछले कुछ समय से चल रहा विवाद समाप्त होने की संभावना है, जिससे घर का वातावरण शांत और सुखद बनेगा। पारिवारिक तनाव कम होने के बाद आप अपने व्यक्तिगत कामों पर बेहतर ध्यान दे पाएंगे।

मकर -मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन प्रसन्नता लेकर आ सकता है। आप अपनी भावनाओं के साथ-साथ परिवार और आसपास के लोगों की भावनाओं को भी समझने का प्रयास करेंगे। परिवार के साथ घर पर मनोरंजन का समय बिताने की योजना बन सकती है, जिससे आपसी संबंधों में अपनापन बढ़ेगा।

कुंभ-कुंभ राशि के लिए आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है। परिवार और व्यक्तिगत जीवन के लिए कुछ समय निकालना आपके रिश्तों में मधुरता लाएगा।

मीन-मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आप आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। सही सोच के साथ लिए गए ये निर्णय भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं। धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार मन में आ सकते हैं और आप उन्हें अमल में लाने की दिशा में काम शुरू कर सकते हैं।

घुंघराले बालों की देखभाल में न करें ये गलतियां

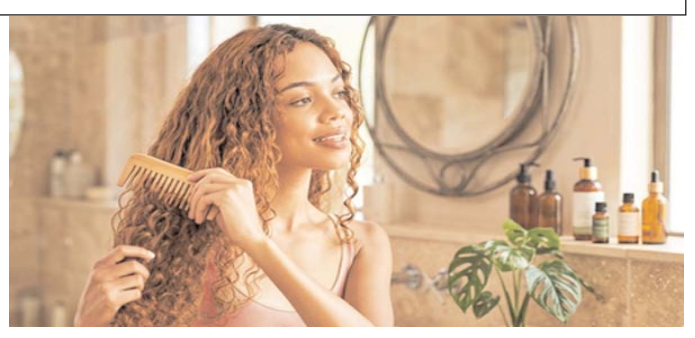

घुंघराले बाल देखने में जितने खूबसूरत लगते हैं, उन्हें संभालना उतना ही मुश्किल हो सकता है। ऐसे बालों का आपस में उलझ जाना और नमी की कमी से रूखे-बेजान हो जाना जैसी समस्याएं लगभग हर घुंघराले बाल वाले शख्स की रोज की परेशानी हैं। घुंघराले बालों को बार-बार कंघी करना या जरूरत से ज्यादा धोना समस्या को और बढ़ा सकता है। अच्छी खबर ये है कि इसके लिए महंगे प्रोडक्ट की जरूरत नहीं है। बस कुछ आसान आदतें बदलनी हैं। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि हर व्यक्ति के बाल अलग होते हैं। इसलिए किसी एक व्यक्ति के लिए सही तरीका दूसरे के लिए भी वैसा ही हो, यह जरूरी नहीं है। सबसे पहले बात बाल धोने की। घुंघराले बालों को हर दिन धोना जरूरी नहीं है। कितनी बार बाल धोने चाहिए, यह सिर की त्वचा में तेल, पसीना, धूल और डैंड्रफ जैसी समस्याओं पर निर्भर करता है। अगर सिर की त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो बार-बार शैम्पू करने की जरूरत नहीं पड़ती। बहुत ज्यादा सफाई करने से बालों में मौजूद प्राकृतिक तेल कम हो सकता है और बाल रूखे महसूस होते हैं। अपने बाल और सिर की त्वचा की जरूरत के हिसाब से शैम्पू करना बेहतर है। शैम्पू लगाते समय एक और बात ध्यान रखें। इसे मुख्य रूप से सिर की त्वचा पर लगाकर सफाई करनी चाहिए। बालों की पूरी लंबाई को जोर-जोर से रगड़ने की जरूरत नहीं होती। शैम्पू का झाग बालों की लंबाई तक पहुंचकर उसे साफ करता है। अगर बाल धोने के बाद बहुत सूखे या उलझे हुए लगते हैं, तो हल्का शैम्पू और अच्छा कंडीशनर मददगार हो सकता है। कंडीशनर घुंघराले बालों के लिए काफी काम की चीज है। कंडीशनर बालों की सतह को चिकना बनाने में मदद करता है। इससे बाल आपस में कम उलझते हैं और कंघी करना आसान होता है। शोध के मुताबिक, कंडीशनर बालों के बीच होने वाली रगड़ को कम करता है, जिससे बालों को सुलझाते समय होने वाले नुकसान भी कम होते हैं। इसलिए शैम्पू के बाद बालों की लंबाई और सिरों पर कंडीशनर लगाना फायदेमंद हो सकता है। बालों को सुखाने का तरीका भी बहुत मायने रखता है। नहाने के बाद तौलिये से बालों को जोर से रगड़ने के बजाय हल्के हाथ से पानी सोखें। गीले बालों को खींचकर कंघी करने से भी बचना चाहिए। घुंघराले बालों में बार-बार खिंचाव और रगड़ से टूटने का खतरा बढ़ता है। बालों को मुलायम रखने के लिए हेयर सीरम या लीव-इन कंडीशनर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। खासकर बाल धोने के बाद हल्के गीले बालों पर थोड़ी मात्रा लगाने से बालों की सतह चिकनी महसूस होती है और उलझन कम होती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

जोरदार बारिश ने खोली नगर पालिका की सफाई और अतिक्रमण हटाओं अभियान की पोल

नालियों में फैली गंदगी से और अतिक्रमण से शहर के नजाई बाजार सहित कई इलाकों की दुकानों व मकानों में भरा पानी,

तो सड़कें बनी नदियाँ, घर गृहस्ती और दुकानों का सामान हुआ खराब

नगर पालिका द्वारा सफाई और अतिक्रमण हटाओ अभियान पर खर्च किये गये लाखों रुपए पर लगा सवालिया निशान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनपद में रविवार की शाम मौसम की दूसरी जोरदार बारिश हुई, जिसने नगर पालिका प्रशासन की सफाई अभियान और अतिक्रमण हटवा अभियान की पोल खोल कर रख दी। इसके साथ ही दोनों ही अभियानों पर किए गए लाखों रुपए की खर्चे पर भी सवालिया निशान लगाने का काम किया है क्योंकि जोरदार बरसात के कारण शहर के कई इलाकों के साथ-साथ मुख्य सड़क पर पानी भरने से उनकी स्थिति नदी नाला जैसी नजर आई और दुकानों में पानी भर जाने के कारण लोगों का सामान खराब हुआ तो कई घरों में पानी भरने के कारण घर ग्रस्त का भी सामान खराब हुआ। शहर में जगह-जगह हुए जलभराव को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से नगर पालिका प्रशासन पर तीखी प्रतिक्रिया जताई और उसे कटघरे में भी खड़ा किया।

बरसात का मौसम आने से पूर्व नगर पालिका प्रशासन द्वारा बारिश से निपटने के लिए सभी तैयारियां को पूर्ण करने के जारी किए गए निर्देशों के क्रम में पालिका प्रशासन द्वारा समूचे शहर की नालियों की सफाई कार्यक्रम चलाया गया था, जिनके तहत पालिका कर्मियों की सफाई कर्मियों द्वारा लगातार सफाई अभियान चलाकर नालियों की सफाई की गई और बारिश के पानी को निकालने के लिए रास्ता बनाया गया, जिस शहर में जल भराव की स्थिति उत्पन्न ना हो। किसके साथ-साथ कई बार नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान भी चलाया गया, जिसके चलते अवैध कब्जाधारियों के कब्जे से नालियों को भी अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कई लोगों के चबूतरों को तुड़वाया गया, ताकि नालियों की सफाई ठीक तरह से हो सके और उनमें से बहने वाले पानी को रास्ता मिल सके और जलभराव की स्थिति से निपटा जा सके। इन दोनों ही कार्यों में नगर पालिका प्रशासन द्वारा भारी भरकम बजट भी खर्च किया गया। इसके बावजूद शहर की स्थिति जस की तस बनी रही। जिसका जीता जागता नमूना रविवार की शाम उस समय देखने को मिला, जब करीब तीन घंटे तक जोरदार झमाझम बारिश हुई। इस जोरदार झमाझम बारिश होने से शहर के कई इलाकों में पानी भर गया, तो दुकानों और घरों में भी पानी भरने से काफी नुकसान हुआ। आलम यह रहा की शहर के नजाई बाजार, जूता चप्पल मार्केट, सवरक़र चौक, तलाबपुरा डोडा घाट के साथ सिविल लाइन और नई बस्ती के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण जल भराव की स्थिति उत्पन्न हुई। आलम यह रहा कि शहर की सड़क नदियों के रूप में नजर आई। इस दौरान कई दुकानों और मकान में पानी भरने से वहां का सामान खराब हुआ, जिससे दुकानदारों के साथ-साथ कई घरों में काफी नुकसान हुआ। इस जलभराव के कारण कई बाइकें भी खराब हुई, जिन्हें उनके चालक पैदल चलकर ले जाते हुए नजर आए। कुल मिलाकर खाने का तात्पर्य यह है की बरसात का पानी नालियों के माध्यम से बाहर नहीं निकाला, बल्कि इस सड़कों पर भाकर बाहर निकाला, जो नगर पालिका की अतिक्रमण हटाओ अभियान और सफाई व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी है। यदि कई जिम्मेदार लोगों की मानें, तो नगर पालिका परिषद द्वारा सफाई अभियान और अतिक्रमण हटाओ अभियान पर एक बड़ा बजट खर्च किया गया, जो सिर्फ कागजों में दिखाई दे रहा है और वहीं तक सीमित रह गया। सोशल मीडिया पर नगर पालिका प्रशासन और उनके अधिकारियों के खिलाफ कई तरह की अटकलें का बाजार गर्म है।

श्रावण के दूसरे सोमवार शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

भीतरकोट और बाहरकोट हजारिया मंदिर में हुआ भव्य श्रृंगार

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को नगर के शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, पूजन-अर्चन कर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए। भीतरकोट और बाहरकोट स्थित हजारिया मंदिर में भगवान शिव का आकर्षक श्रृंगार किया गया। भोलेनाथ को सुगंधित फूलों, बेलपत्र, धतूरा और शमी पत्र से सजाकर प्रसादी अर्पित की गई। मंदिरों में दिनभर 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजते रहे। नगर के प्रसिद्ध बाबड़ी हनुमान मंदिर में आयोजित शिवर्चन एवं पार्थिव शिव निर्माण कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। यहां भक्तों ने असंख्य पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर विधि-विधान से पूजन किया। धार्मिक आयोजनों की व्यवस्थाओं में गौरव शास्त्री, अनुज लिटौरिया, सचिन महाराज सहित अन्य श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त खबरें

ई-रिक्शा चालक से गाली-गलौज और मारपीट

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में रामलीला मैदान के पास एक ई-रिक्शा चालक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तालाबपुरा (बड़े गेट के अंदर) निवासी 35 वर्षीय राजू विश्वकर्मा पुत्र रतिराम विश्वकर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। पीड़ित के अनुसार, 6 अगस्त 2026 की रात करीब नौ बजे वह रामलीला मैदान के पास मौजूद था। इसी दौरान लल्ला कुशवाहा का पुत्र वहां पहुंचा और उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि युवक ने राजू को जबरन ई-रिक्शा में बैठाकर अपनी मनचाही जगह छोड़ने का दबाव बनाया। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि जाते समय आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस को बताया कि घटना के दौरान उसका करीब 8 से 9 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन भी कहीं गिर गया अथवा गायब हो गया। उसने आरोपी पर दबंग किस्म का होने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 352, 115(2) और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

खनन कारोबारी और खनिज अधिकारी के विवाद का वीडियो वायरल

तालबेहट। खनन कारोबारी और खनिज अधिकारी के बीच विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक खाली डंपर के पीछे खनिज अधिकारी के वाहन के पहुंचने और उसका पीछा किए जाने का आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में खांदी निवासी युवक खनिज अधिकारी पर आरोप लगाते हुए कह रहा है कि 20 हजार रुपये की 'इंट्री' नहीं देने के कारण पीछा किया जा रहा है। युवक ने मामले की शिकायत सांसद और विधायक से करने की बात भी कही। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल खनिज अधिकारी जेपी दत्ता का कहना है कि खनन कारोबारी का रॉयल्टी का बकाया रकम जमा कराने के लिए वाहन का पीछा किया। जिन लोगों ने भी खनन विभाग का राजस्व जमा नहीं किया उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

विकास भवन में सदर विधायक ने किया जनकल्याणकारी योजनाओं का विभागवार निरीक्षण

पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने विकास भवन पहुंचकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति का विभागवार निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की जमीनी स्थिति, लाभार्थियों को मिल रहे लाभ तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान समाज कल्याण विभाग कृषि विभाग, सहकारिता विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की योजनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से योजनावार लाभार्थियों की स्थिति, पात्रता, स्वीकृत प्रकरणों तथा लाभ वितरण की प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र एवं जरूरतमंद लोगों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे।

इस दौरान विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार तथा उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के ध्येय को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए। पात्र लाभार्थियों को किसी भी स्तर पर अनावश्यक परेशानी न हो और यदि किसी योजना का लाभ पाने में कोई समस्या आ रही है तो उसका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित योजनाओं की जमीनी स्थिति पर निगरानी रखने तथा लाभार्थियों से फीडबैक प्राप्त करने पर जोर दिया। विधायक ने कहा कि कागजों पर योजनाओं की प्रगति के साथ-साथ उनका वास्तविक लाभ जनता तक पहुंचना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में पात्र लोगों का चयन निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से हो तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

विधायक ने कहा कि ललितपुर विधानसभा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का प्रभावी लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि विकास एवं जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा उन्होंने विभागवार योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की जानकारी विधायक को उपलब्ध कराई।

गंदगी और कीचड़ से बेहाल भारोन के ग्रामीण

» स्कूल जाने वाले बच्चों की राह मुश्किल
» पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पास रास्ता बदहाल
» ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत पर लगाया लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

ब्लॉक बिरधा अंतर्गत ग्राम पंचायत भारोन के ग्राम भारोन में गंदगी और जलभराव के कारण ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय भारोन के पास रास्ते की हालत बेहद खराब बताई जा रही है। कीचड़ और गंदगी के कारण बच्चों का विद्यालय पहुंचना मुश्किल हो गया है और आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के बाद विद्यालय के आसपास की स्थिति और भी खराब हो जाती है। रास्ते पर कीचड़ और गंदगी जमा होने से बच्चों को उसी रास्ते से होकर स्कूल जाना पड़ता है। ग्रामीणों के मुताबिक समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं कराया गया। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत अधिकारी नियमित रूप से गांव नहीं आती हैं और ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि फोन पर संपर्क करने का प्रयास करने पर भी उनसे बात नहीं हो पाती। वहीं, ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान देवी सहरिया पर भी समस्या के प्रति गंभीरता नहीं दिखाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल के पास गंदगी और रास्ते की बदहाली के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया जा रहा है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय भारोन की प्रधानाध्यापक ज्योत्सना वर्मा ने भी रास्ते की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि मार्ग की हालत खराब होने के कारण विद्यालय आने-जाने में परेशानी होती है और उनके वाहन को भी आवागमन में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी भगवान सिंह ने कहा कि गंदगी और कीचड़ के कारण बच्चों का स्कूल आना-जाना मुश्किल हो गया है। वहीं राकेश ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की कथित लापरवाही के चलते समस्या को लेकर कोई प्रभावी सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले का तत्काल संज्ञान लेकर विद्यालय के आसपास साफ-सफाई कराने, जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने और क्षतिग्रस्त रास्ते की मरम्मत कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल जाने वाले बच्चों की परेशानी को देखते हुए समस्या का जल्द समाधान किया जाना आवश्यक है।

थोक फल-सब्जी विक्रेता ही अमरपुर मंडी में शिफ्ट

» फुटकर विक्रेता अपने स्थान पर ही करेंगे कारोबार
» नझाई बाजार में जाम की समस्या दूर करने के लिए लिया गया निर्णय
» डीएम सत्य प्रकाश ने शहरवासियों से भ्रमित न होने की अपील की

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नझाई बाजार में फल-सब्जी मंडी को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि अमरपुर मंडी में केवल फल-सब्जी के थोक विक्रेताओं को स्थानांतरित किया गया है। फुटकर विक्रेताओं को शिफ्ट नहीं किया गया है। फुटकर विक्रेता अपने वर्तमान स्थानों पर ही फल-सब्जी की बिक्री करते रहेंगे, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्व में नझाई बाजार स्थित फल-सब्जी मंडी में ट्रक, ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों के अनियंत्रित तरीके से खड़े होने और अत्यधिक भीड़ के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती थी। इससे स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं, एंबुलेंस और आम राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। डीएम ने बताया कि नझाई बाजार में फल-सब्जी बिक्री वाले स्थान पर ट्रैफिक जाम की समस्या के स्थायी समाधान के उद्देश्य से वहां के थोक फल-सब्जी विक्रेताओं को अमरपुर स्थित मंडी में स्थानांतरित किया गया है।

वहीं फुटकर विक्रेताओं को उनके पूर्व स्थानों से हटाया नहीं गया है। जिलाधिकारी के अनुसार कैलगुवां चौराहा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओवर ब्रिज बन जाने से फल-सब्जी लेकर आने वाले वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश करने के बजाय सीधे अमरपुर मंडी पहुंचने में सुविधा होगी। इससे शहर में भारी वाहनों का दबाव और यातायात संबंधी परेशानी भी कम होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अमरपुर मंडी में पर्याप्त स्थान और चबूतरे उपलब्ध हैं, जहां व्यापारी स्टॉल लगाकर फल-सब्जी की बिक्री कर सकेंगे। व्यापारियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ने से आम नागरिकों और खरीदारों को उचित दर पर फल-सब्जी उपलब्ध होने की संभावना है। वहीं किसानों को भी अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने नगर वासियों से अपील की है कि मंडी को लेकर किसी प्रकार के भ्रम में न रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि फुटकर विक्रेताओं को उनके स्थान से हटाया नहीं गया है और वह यथावत फल-सब्जी बेचते रहेंगे। जिला प्रशासन का उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि शहर सभी का है और इसे स्वच्छ, व्यवस्थित एवं जाम मुक्त बनाने में नागरिक जिला प्रशासन का सहयोग करें।

अंबेडकर पार्क की आरक्षित भूमि की पैमाइश कराकर बाउंड्रीवाल बनवाने की मांग

पटसेमरा के ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, 0.239 हेक्टेयर भूमि की माप कराने की उठाई आवाज

ललितपुर। ब्लॉक बिरधा क्षेत्र के ग्राम पटसेमरा के ग्रामीणों ने गांव में अंबेडकर पार्क के लिए आरक्षित भूमि की पैमाइश कराकर उसकी बाउंड्रीवाल का निर्माण कराए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सामूहिक ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि पार्क के लिए भूमि आरक्षित होने के बावजूद अभी तक उसकी विधिवत पैमाइश नहीं कराई गई है, जिसके चलते भूमि का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि ग्राम पटसेमरा में अंबेडकर पार्क के लिए भूमि आरक्षित की गई है। अभिलेखों के अनुसार आरक्षित भूमि में अराजी नंबर 756ध्3 का रकबा 0.162 हेक्टेयर तथा अराजी नंबर 756ध्4 का रकबा 0.077 हेक्टेयर है। दोनों भूखंडों का कुल रकबा 0.239 हेक्टेयर है। ग्रामीणों ने कहा कि आरक्षित भूमि की मौके पर पैमाइश कराकर उसकी सीमाएं स्पष्ट की जाएं। इसके बाद अंबेडकर पार्क की भूमि की सुरक्षा के लिए चारों ओर बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाए, जिससे आरक्षित भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण अथवा विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर भूमि की शीघ्र पैमाइश कराई जाए और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि इससे गांव में सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित भूमि सुरक्षित हो सकेगी और भविष्य में यहां पार्क का समुचित विकास कराया जा सकेगा। सामूहिक ज्ञापन ग्राम पटसेमरा, ब्लॉक बिरधा के जालमप्रसाद, कैलाश, निर्मल, गोरेलाल, जितेन्द्र, विजरा, महेंद्र, चुन्नति, भूपेन्द्र कुमार, भागीरथ, दशरथ, अर्जुन, शकील, मलकखान, बलराम, खुबचंद्र, शिवम, राजकुमार, जितेन्द्र, महेश, नीतू और धनीराम सहित अन्य ग्रामीणों के नाम व हस्ताक्षर दर्ज हैं।

फीस नहीं भर पाने पर छात्र को टीसी देने से इनकार

एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल पर मनमानी के आरोप

खंड शिक्षा अधिकारी ने बीएसए को पत्र भेजकर कार्रवाई की संस्तुति की

ललितपुर। नगर क्षेत्र में संचालित एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधन पर फीस को लेकर मनमानी करने और छात्र को ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) देने से इनकार करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद खंड शिक्षा अधिकारी, नगर क्षेत्र ने मामले की रिपोर्ट बीएसए को भेजते हुए विद्यालय के विरुद्ध उचित कार्रवाई की संस्तुति की है। मामला नीमखेड़ा मड़ावरा (परसाटा) निवासी कस्तूरी पत्नी स्व. सुरेश से जुड़ा है। शिकायती पत्र के अनुसार, उनके पुत्र अभिषेक ने अक्टूबर 2025 के बाद से विद्यालय जाना बंद कर दिया था। छात्र के पिता का निधन हो चुका है और परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह पूरे वर्ष की फीस जमा कर सके। शिकायत में बताया गया कि छात्र की कक्षा सात की टीसी पहले जमा की गई थी, जिसे अब छात्र की मां वापस लेना चाहती हैं। वहीं, छात्र द्वारा कक्षा आठ की एक तिमाही की फीस भी जमा की जा चुकी है। इसके बावजूद विद्यालय प्रबंधन ने पूरे वर्ष की फीस जमा किए बिना टीसी देने से इनकार कर दिया। शिकायत के संबंध में विद्यालय में कार्य देख रहे एक सर जिनका नाम पृथ्वी बताया जा रहा है, से टीसी देने को लेकर वार्ता की गई, लेकिन आरोप है कि उन्होंने बिना पूरी फीस जमा किए टीसी देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। इसके बाद छात्र की मां ने मामले की शिकायत खंड शिक्षा अधिकारी से की। खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से बीएसए को भेजी गई रिपोर्ट में विद्यालय के संबंध में अन्य शिकायतों का भी उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, संबंधित विद्यालय द्वारा कार्यालय से भेजी जाने वाली डाक आदि को स्वीकार नहीं किया जाता तथा कार्यालयीय आदेशों का अनुपालन भी नहीं किया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विद्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर अन्य अभिभावकों द्वारा भी लगातार शिकायतें की जाती रही हैं। इसके अलावा विद्यालय में प्राइवेट पुस्तकों के संचालन का मामला भी सामने आने की बात रिपोर्ट में कही गई है, जिसे खंड शिक्षा अधिकारी ने गंभीर और खेदजनक बताया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए खंड शिक्षा अधिकारी नीतू, नगर क्षेत्र ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल के विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई किए जाने की संस्तुति की है। अब मामले में जिला बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है।

जलभराव और जर्जर सड़क से बेहाल निजी कॉलोनी के लोग

» रावत्याना के निवासियों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन
» नाला-नाली निर्माण और सड़क दुरुस्तीकरण की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर के मोहल्ला रावत्याना, वार्ड नंबर 23 स्थित निजी कॉलोनी के निवासी इन दिनों जलभराव और जर्जर सडक की समस्या से परेशान हैं। बरसात होते ही कॉलोनी में पानी भर जाने से लोगों का आवागमन मुश्किल हो जाता है। समस्या के समाधान की मांग को लेकर कॉलोनीवासियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल स्थलीय निरीक्षण कराकर नाला-नाली और सडक निर्माण कराने की मांग की है। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में बरसाती पानी की निकासी के लिए समुचित नालियों की व्यवस्था नहीं है। बारिश के दौरान बड़ी मात्रा में पानी एकत्रित होकर लंबे समय तक जमा रहता है। इससे लोगों को घरों से निकलने और आने-जाने में परेशानी होती है। जलभराव के कारण गंदगी और जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। निवासियों के अनुसार जलभराव के कारण कॉलोनी का मार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो चुका है। सडक़ पर बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ होने से बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों को आवागमन में काफी दिक्कत होती है। बारिश के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कराकर समस्या की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने की मांग की गई। इसके साथ ही बरसाती पानी की उचित निकासी के लिए आवश्यक नाला और नालियों का निर्माण जल्द कराने तथा क्षतिग्रस्त मार्ग की स्थिति को देखते हुए सडक़ का निर्माण अथवा आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की गई है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि यदि जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था और सडक़ का दुरुस्तीकरण करा दिया जाए तो लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत मिल सकती है। इस दौरान अफसाना बानो, इमरान अली, रमजान खां, सलीम, रहीश खां, अनिस खां, तालिब खान, कादिर, मुहर्रा, शहनवाज, नफीस, राशिद, हारून शाह, आशिया बानो, नजरानो, साब्रा बेगम, अमरीन, मुइरफान, मु. अनीस, नौशाद खां, सबीना, शबाना बानो, इमराना, सितारा, हमीद खां, शहजाद खां, सत्तार खां, गुलाम, शहादत खान, जायदा, आमिर खान, शबनम बानो, नफोसा, शबनम, मुबारिक, सन्नो, शाहिद, ताज खां, सवान, संचरा बानो, मं. वकील, सबिया बानो, मो. अरविन्द, आमीन खान, अमजद खां, मिजाज खां, घसाय खां, हामिद खां, तरन्नुम, रजिया बेगम, शकीला बानो, सबीना बानो, अमीना, साजहाँ और मु. अरबाज सहित तमाम स्थानीय निवासियों के हस्ताक्षर बताए गए हैं।

चकबंदी में धांधली का आरोप, अंडेला के किसानों ने डीएम से की शिकायत

» बिना पक्ष सुने चकों में हेरफेर करने का आरोप
» निष्पक्ष जांच और विवादित चकों पर कार्रवाई रोकने की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम अंडेला के किसानों और ग्रामवासियों ने सोमवार को जिलाधिकारी को सामूहिक प्रार्थना-पत्र सौंपकर चकबंदी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की शिकायत की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चकबंदी अधिकारी द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए चकों के निर्धारण एवं आवंटन में हेरफेर किया गया है। किसानों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने अपने शिकायती पत्र में रघुनाथ, सहदेव, इन्द्रपाल, कृष्णपाल, शिवराज सिंह, गोविन्द सिंह, महरवान, मानसिंह, लखन और भानुप्रताप सहित दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षर होने की बात कही। किसानों का आरोप है कि चकबंदी की प्रक्रिया में उन्हें पर्याप्त जानकारी दिए बिना और उनका पक्ष सुने बिना चकों में परिवर्तन कर दिया गया। इससे कई किसानों के कृषि हित प्रभावित हो रहे हैं तथा गांव में असंतोष और आपसी विवाद की स्थिति बन रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की कि ग्राम अंडेला में अब तक किए गए चक निर्धारण एवं आवंटन की स्वतंत्र जांच कराई जाए। इसके साथ ही चकबंदी से संबंधित अभिलेखों, नक्शों, प्रस्तावों और पारित आदेशों का गहन परीक्षण कराया जाए, ताकि कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि जांच में यदि कोई चक नियमों के विपरीत अथवा गलत तरीके से काटा या बदला हुआ पाया जाता है तो उसका नियमानुसार निरस्तीकरण अथवा संशोधन कराया जाए और प्रभावित किसानों को विधिसम्मत तरीके से चक आवंटित किया जाए। किसानों ने चक परिवर्तन के नाम पर धनराशि लिए जाने के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की कि शिकायत की जांच पूरी होने तक विवादित चकों के संबंध में ऐसी कोई अग्रिम कार्रवाई न की जाए, जिससे किसानों के हित प्रभावित हों। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच होने तक वर्तमान स्थिति को बनाए रखा जाना आवश्यक है। किसानों ने प्रशासन से मामले का शीघ्र और पारदर्शी तरीके से निस्तारण कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समय रहते शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराकर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो गांव में शांति एवं सौहार्द प्रभावित हो सकता है और किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। अब ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन की ओर से होने वाली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

सावन के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं ने 45 लाख पार्थिव शिवलिंग का किया निर्माण

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सवा पांच करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्री रूद्रमहायज्ञ आयोजन में द्वितीय सावन सोमवार को श्रद्धालुओं ने 45 लाख पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। प्रातःकालीन बेला में श्रीरूद्रमहायज्ञ का पीठ पूजन व पंचांग पूजन वैदिक विद्वानों द्वारा किया गया। द्वितीय सावन सोमवार को भोले की भक्ति का आनंद लेने के लिए भक्तो का हुजूम श्री सिद्धपीठ चंडी मंदिर धाम पर उमड़ पड़ा। पूर्ण भक्ति भाव से श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। वहीं अपरान्ह में पार्थिव शिवलिंग का महारूद्र अभिषेक प्रधान यजमान हरिशंकर साहू सहित अन्य यजमान आदि द्वारा किया गया।

भक्तों को श्री शिवमहापुराण की कथा सुनाते हुए परमपूज्य अनंतविभूषित चंडीपीठाधीश्वराचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी चन्द्रेश्वर गिरि महाराज जी ने कहाकि सकारात्मक मन से महत्त्वपूर्ण है। शांत मन होना। शांत मन निर्णय,विश्लेषण और व्याख्या की सीमा से परे होता है। जब आप जीवन के सारे वैषम्य स्वीकार कर लेते हैं, तो आप सुख और दुःख के किनारों के बीच, बिना किसी एक से अटके, सहजता से तैर सकते हैं। और, यही असली स्वाधीनता की प्राप्ति है।

पुण्य स्थायी प्रसन्नता देता है। चिर-स्थायी प्रसन्नता की मूल कुंजी है-विवेक। प्रसन्नता प्राप्ति का मुख्य रहस्य यह है कि मनुष्य अपने लिए सुख की कामना छोड़कर अपना जीवन दूसरों की प्रसन्नता में योजित करे। दूसरों को प्रसन्न करने के प्रयत्न करने में जो कष्ट भी प्राप्त होता है वह भी प्रसन्नता ही देता है। इतिहास ऐसे बलिदानियों से भरा पड़ा है कि जिस समय उनको मृत्यु वेदी पर प्राण हरण के लिये लाया गया उस समय उनके मुख पर जो आह्लाद, जो तेज, जो मुस्कान और जो प्रसन्नता देखी गई, वह काल के अनन्त पृष्ठ पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गई है। एक साधारण से साधारण व्यक्ति भी अपने जीवन की किसी न किसी ऐसी घटना का स्मरण करके समझ सकता है कि जब उसने कोई परोपकार का काम किया था तब उसके हृदय में प्रसन्नता की कितनी गहरी अनुभूति हुई थी। प्रसन्नता पदार्थ सापेक्ष नहीं, अपितु विचार सापेक्ष है। चिर-स्थायी प्रसन्नता का मूल-आधार आध्यात्मिक चिन्तन में निहित है। अतः सत्संग-स्वाध्याय एवं सत्पुरुषों का अनुशीलन ही श्रेयस्कर है। श्री शिवमहापुराण की महाआरती प्रधान यजमान राजेश्वरी सिसौदिया द्वारा की गई। इस दौरान कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सावन में शिवमय हुई नीलकंठ नगरी, उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात | पाली

सावन का पवित्र महीने में श्री नीलकंठ महादेव की नगरी भक्ति रस में डूब गई है। सोमवार को भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दूर-दराज से आए कावडियों के जत्थे 'बोल बम' के जयकारों के साथ मंदिर पहुंचे। श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कंधे पर कांवड़, हाथ में धर्म ध्वजा और माथे पर तिलक-त्रिपुंड लगाए शिवभक्त नंगे पांव लंबी दूरी तय कर यहां पहुंचे। चलते-चलते कई भक्तों के पांव में छाले पड़ गए, लेकिन भोले की भक्ति का उत्साह कम नहीं हुआ।

बैंड-बाजा और डीजे की धुनों पर थिरकते हुए कावड़िए 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के नारों के साथ मंदिर पहुंचे। महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर मंगल गायन किया तो युवाओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य कर माहौल को शिवमय कर दिया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से बाबा का गंगाजल और दूध से अभिषेक किया। मंदिर परिसर में पंडितों द्वारा तिलक और त्रिपुंड लगवाकर भक्त शांति का अनुभव कर रहे थे। पंडिताचार्यों का कहना है कि सावन में भगवान शिव और भक्तों के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है। किसी पवित्र तीर्थ से गंगाजल लाकर शिवलिंग पर चढ़ाने की परंपरा को ही कावड़ यात्रा कहा जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से कावड़ यात्रा करने वाले भक्त को हर कदम पर अश्वमेघ यज्ञ के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है। कावड़ यात्रा मार्ग में जगह-जगह लोगों ने श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

कावड़ियों के जत्थे ने सोमवार को बढ़ाई मंदिर की रौनक

भीड़ को देख आने - जाने को बनाए गए अलग रास्ते

भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने लोग बड़ी दूर से बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं । मंदिर को जाने के सिंगल सडक है, जिस पर पैदल व वाहनों की बड़ी आवाजाही बनी थी। सडक पर भीड़ न हो यातायात सुगम बना रहे इसके लिए पाली पुलिस ने नगर पंचायत के साथ मिलकर रूट परिवर्तन किया। जिसके तहत मुख्य सडक केवल कांवडियों व पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं के लिए खोली गई तो अन्य वाहनों को मंदिर तक जाने के लिए नदवानी बगीचा से बड़ी भवानी मंदिर के रास्ते पहुंचाया गया तो आने के लिए शनि देव मन्दिर से होकर राजगढ़ मार्ग की सडक जो पाली से जुड़ती है।

मंदिर के आंगन में लगा एक कम्पनी का बोर्ड बना चर्चा का विषय

विंध्याचल की वादियों में स्थापित श्री नीलकंठ मंदिर पुरातत्व विभाग के अधीन है, विभाग की अनुमति के बिना यहां कोई भी मंदिर परिसर में ऐसा कुछ कार्य नहीं कर सकता जो नियम विरुद्ध हो लेकिन मंदिर के आंगन में एक सीमेंट कंपनी द्वारा एक बड़ा होर्डिंग्स लगवाया गया है, जिसमें कंपनी के प्रचार के साथ भगवान भोलेनाथ के चित्र बने हैं साथ ही इस होर्डिंग्स पर पाली की जगह पल्ली लिखा गया, जिसे स्थानीय लोग गलत ठहरा रहे है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जखौरा पुलिस ने युवक को दबोचा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना जखौरा पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह और सीओ सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जखौरा पुलिस ने थाना जखौरा में दर्ज मु.अ.सं. 210ध्2026 के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना जखौरा के ग्राम सीरोंनकलां निवासी अमित लोधी उर्फ टन्नू पुत्र मान सिंह के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ धारा 64(1), 137(2) बीएनएस तथा 3ध्4 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार बैस, उपनिरीक्षक विवेक धामा, कांस्टेबल चन्द्रकान्त शर्मा, महिला कांस्टेबल किरन सिकरवार तथा कांस्टेबल श्यामसुन्दर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

देर रात ट्रामा सेन्टर के बिधुत उपकरणों में आग लगाने से मचा हड़कंप

करीब दो घंटे तक इमरजेंसी वार्ड की बिधुत आपूर्ति रही बाधित, मोबाइल टार्च की रौशनी में हुआ उपचार

ललितपुर। रविवार की देर शाम हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर की कई इलाकों की विद्युत आपूर्ति बाधित रही। इसी बीच मेडिकल कॉलेज के ड्रामा सेंटर इमरजेंसी वार्ड में लगे विद्युत उपकरणों में अचानक आग लग गई और वह धुँ-धुँ क़र जल उठे। विद्युत उपकरण और केबिल जलने से इमरजेंसी वार्ड की विद्युत आपूर्ति बाधित हुई, जिस कारण मोबाइल टॉर्च की रोशनी में मरीजों का उपचार किया गया। वहां पर लगी आग पर अग्निशमन के यंत्र के माध्यम से गैस छोड़कर काबू पाया गया।

शहर के सिविल लाइन इलाके में संचालित स्वशासी मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर इमरजेंसी वार्ड में रविवार की रात करीब 10:00 बजे वहां पर लगे हुए विद्युत उपकरणों में अचानक आग लग गई, जिस कारण पूरे वार्ड में अफरा तफरी का माहौल रहा। बताया गया है कि इस दौरान मरीज और उनके परिजनों में हड़कंप जैसी स्थिति रही और कई मरीज और उनके परिजन तो उठकर वार्ड से बाहर आ गए। यहां पर लगे हुए विद्युत उपकरण में आग लगते ही पूरे वार्ड में धुएं के गुवार देखे गए और यहाँ अंधेरा छा गया। बताया गया है कि इस दौरान ड्यूटी पर तैनात गार्ड और स्वास्थ्य कर्मियों ने तत्काल अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करते हुए लगी आग पर काबू पाया। यहां पर लगे हुए चेजओवर में आग लगने के कारण यह घटना घटी। आगजनी की इस घटना के कारण करीब 2 घंटे तक यहां की विद्युत आपूर्ति बाधित रही। इस दौरान विद्युत कर्मचारियों ने 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद यहां की विद्युत आपूर्ति बहाल की। इस दौरान पूरा इमरजेंसी वार्ड अंधेरी में डूबा रहा और मोबाइल टॉर्च की रोशनी में डॉक्टरों ने मरीजों का इलाज किया। गनीमत यही कि इस आगजनी की घटना के कारण यहां पर कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान एवं अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में हुई बैठक में जुलाई-अगस्त 2026 में संचालित अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने मच्छर जनित एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए की। उन्होंने बताया कि अभियान से जुड़े विभागों द्वारा छठवें सप्ताह में अपनी कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित गतिविधियां संचालित की गई हैं। जिला मलेरिया अधिकारी अनिल क्रिस्टोफर मैसी ने विभागवार कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अभियान की प्रगति से अधिकारियों को अवगत कराया। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जनपद के हाई रिस्क गांवों की सूची संबंधित विभागों को उपलब्ध करा दी गई है। इन गांवों में विशेष अभियान चलाकर गड्ढों को मिट्टी से भरने, झाड़ियों की कटाई, रुके हुए पानी की निकासी, नालियों की सफाई तथा लार्वानाशक दवा के छिडक़ाव की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए समय-समय पर लगातार कराया जाना जरूरी है। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत कराए जा रहे कार्यों, विशेष रूप से जिला पंचायत राज विभाग द्वारा किए गए सफाई कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मच्छरों के प्रजनन वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। नगर क्षेत्र में ललितपुर बस स्टैंड, नेहरू नगर स्थित टायर गोदाम, सुभाषपुरा स्थित कबाड़ की दुकानों सहित ऐसे स्थानों को चिन्हित कर नियमित सफाई एवं दवा का छिडक़ाव कराया जाए, जहां पानी जमा होने की संभावना रहती है। जानवरों के पीने के लिए रखे गए बर्तनों में भी पानी लंबे समय तक जमा न रहने देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि डेंगू फैलाने वाला मच्छर साफ पानी वाले कंटेनरों में भी पनपता है। ऐसे में टायर, गमले, पानी की टंकियां, कबाड़ तथा अन्य पात्रों में पानी जमा न होने देना बेहद जरूरी है। सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में नोडल अर्बन डॉ. राजेश भारती, जिला सूचना अधिकारी, बेसिक शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर विकास विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, जनपद के समस्त चिकित्सा अधीक्षक, सहायक मलेरिया अधिकारी, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक एवं मलेरिया निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हाई रिस्क गांवों में विशेष सफाई के निर्देश

युवक कांग्रेस के स्थापना दिवस पर याद आया राजनीति का स्वर्णिम दौर

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

युवक कांग्रेस के 66 वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस नेता शशिभूषण संज्ञा ने अपने पिता एवं लोकतंत्र सेनानी स्व. विनोद कुमार संज्ञा के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए वर्तमान राजनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक दौर था जब राजनीति जनसरोकारों, विचारों और संघर्ष पर आधारित थी, जबकि आज राजनीति सोशल मीडिया और रीलों तक सिमटती जा रही है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 1986 में पूर्व सांसद स्व. सुजान सिंह बुंदेला ने उनके पिता की नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताते हुए उन्हें युवक कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बनाया था। वह लगातार नौ वर्ष तक जिले के युवाओं का नेतृत्व करते रहे और रचनात्मक आंदोलनों में सक्रिय रहे। इसी दौरान 29 अगस्त 1986 को उन्होंने सैकड़ों युवाओं के साथ ललितपुर से लखनऊ तक करीब 400 किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली थी। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के युवा शक्ति और देश निर्माण के आह्वान को जमीन पर उतारने के लिए युवक कांग्रेस ने गांव-गांव और शहर-शहर अभियान चलाए। उस समय राजनीति में विचार और सिद्धांत महत्वपूर्ण थे तथा जनसमस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के लिए धरातल पर संघर्ष किया जाता था। कांग्रेस नेता ने वर्तमान राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज नेताओं के दौरे भी सोशल मीडिया और रीलों तक सीमित हो गए हैं। कार्यकर्ताओं और जनता से आत्मीय संवाद तथा उनकी समस्याओं के समाधान की भावना कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि युवक कांग्रेस के स्थापना दिवस पर राहुल गांधी लगातार युवाओं, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। आज भी युवक कांग्रेस की प्रासंगिकता बनाए रखने का श्रेय राहुल गांधी को जाता है।

कांवड़ यात्रियों की सेवा में उमड़ी श्रद्धा, भंडारा समिति ने कराया भव्य भंडारा

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

पावन श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की भक्ति से सराबोर कांवड़ यात्रियों की सेवा के लिए महरौनी नगर की भंडारा समिति ने सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की। महरौनी से कुंडेश्वर धाम जाने वाले मुख्य मार्ग पर टोल प्लाजा के समीप समिति द्वारा भव्य भंडारा आयोजित कर हजारों कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक पूड़ी-सब्जी एवं हलुआ परोसा गया। कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग से गुजर रहे शिवभक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर समिति के सेवा भाव की सराहना की। पूरे आयोजन स्थल पर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से वातावरण शिवमय बना रहा। भंडारा समिति के युवा सदस्यों ने श्रद्धा, अनुशासन और सेवाभाव के साथ व्यवस्थाओं को संभाला। समिति में श्यामजी सोनी, अनुज पटेल, सेंकी लक्षकार, मयंक सेन, गणेशजी राजा, नंदकिशोर साहू, कृपाल पाल, राहुल असाटी, सत्तू कसगर सहित युवा टीम के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा महरौनी

कुंडेश्वर धाम को निकली विशाल कांवड़ यात्रा

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

सावन के पावन माह में महरौनी क्षेत्र शिव भक्ति से सराबोर नजर आ रहा है। कस्बे से होकर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कैलाश कुंडेश्वर धाम के लिए लगातार कांवड़ यात्राएं निकल रही हैं। दूर-दराज क्षेत्रों से श्रद्धालु सैकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा कर पवित्र जल लेकर भगवान महादेव के धाम की ओर बढ़ रहे हैं। कई श्रद्धालु दंडवत प्रणाम करते हुए भी यात्रा पूरी कर रहे हैं। इसी क्रम में महरौनी तहसील क्षेत्र के ग्राम कुआघोषी स्थित बरिया वाले बब्बा मंदिर प्रांगण से चांदनी किन्नर के नेतृत्व में विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। हाथों में कांवड़ और जुबां पर 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ ग्रामीणों व आसपास के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण शिवमय नजर आया। कांवड़ यात्रियों की सेवा के लिए महरौनी मार्ग पर जगह-जगह स्थानीय लोगों और समितियों द्वारा शीतल जल, खीर, हलुआ, पूड़ी-सब्जी सहित भंडारों की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु भी सेवा भाव से कांवडियों को भोजन-पानी उपलब्ध कराने में जुटे हैं। कांवडियों की लंबी कतारें और गूंजते शिव जयकारे महरौनी की गलियों को भक्तिमय बना रहे हैं। कठिन यात्रा के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। आस्था की यही ऊर्जा उन्हें कुंडेश्वर धाम तक पहुंचने के लिए निरंतर आगे बढ़ा रही है। महरौनी नगर में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली राजा दिनेश सिंह के नेतृत्व में यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही।

चलती ट्रेन में सो रही महिला चिकित्सक का लैपटॉप बैग चोरी

ललितपुर। दक्षिण एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला डॉक्टर का लैपटॉप बैग अज्ञात चोर ने पार कर दिया। घटना उस समय हुई जब महिला डॉक्टर ट्रेन के बी-3 कोच में अपनी बर्थ पर सो रही थीं। ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने से कुछ मिनट पहले नींद खुलने पर सीट से लैपटॉप बैग गायब मिला। बैग में करीब 80 हजार रुपये कीमत का डेल कंपनी का लैपटॉप रखा था। पीड़ित के पिता की तहरीर पर जीआरपी थाना ललितपुर ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भोपाल निवासी विनोद कुमार पांडे ने जीआरपी को दी तहरीर में बताया कि उनकी 33 वर्षीय बेटी डा.दीक्षा पांडे एक जुलाई 2026 को ट्रेन संख्या 12722 दक्षिण एक्सप्रेस से मथुरा से भोपाल की यात्रा कर रही थीं। वह ट्रेन के बी-3 कोच की बर्थ संख्या 36 पर सवार थीं। यात्रा के दौरान डा.दीक्षा ने अपना लैपटॉप बैग सीट पर रखा और सो गईं। आरोप है कि इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने मौका पाकर सीट पर रखा लैपटॉप बैग चोरी कर लिया। ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने से करीब पांच मिनट पहले डा.दीक्षा की नींद खुली तो सीट पर रखा काले रंग का डेल कंपनी का लैपटॉप बैग गायब था। उन्होंने कोच में आसपास काफी तलाश की, लेकिन बैग का कोई पता नहीं चला। बैग में करीब 80,000 रुपये कीमत का लैपटॉप होने की बात बताई गई है। बताया गया कि डा.दीक्षा भोपाल स्थित पीपुल्स यूनिवर्सिटी में आयोजित एक सेमिनार में शामिल होने के लिए यात्रा कर रही थीं। सेमिनार में जाने के कारण वह स्वयं जीआरपी थाने नहीं पहुंच सकीं। इसके बाद उनके पिता विनोद कुमार पांडे ने जीआरपी थाना ललितपुर पहुंचकर घटना की लिखित शिकायत दी। तहरीर के आधार पर जीआरपी थाना में बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

एशियन मास्टर्स स्विमिंग चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में उतरेंगे अरविंद कुमार

लखनऊ में 11 अगस्त को होगा यूपी स्टेट मास्टर्स स्विमिंग ट्रायल

ललितपुर। शहर के नदीपुरा निवासी एवं विकासखंड जखौरा की ग्राम पंचायत निवाहो में सफाई कर्मी के पद पर कार्यरत अरविंद कुमार अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैराकी प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाने जा रहे हैं। अरविंद कुमार 11 अगस्त 2026 को लखनऊ के के.डी. सिंह 'बाबूय स्विमिंग पूल में आयोजित होने वाले यू.पी. स्टेट मास्टर्स स्विमिंग ट्रायल 2026 में प्रतिभाग करेंगे। यह चयन ट्रायल स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया के निर्देश पर द्वितीय यू.पी. एशियन मास्टर्स स्विमिंग चैम्पियनशिप 2026 के लिए आयोजित किया जा रहा है। ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों के चयन का रास्ता एशियन मास्टर्स चैंपियनशिप के लिए खुलेगा। अरविंद कुमार चयन ट्रायल में कुल चार स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इनमें 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, 100 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 400 मीटर फ्रीस्टाइल शामिल हैं। इन स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन कर अरविंद का लक्ष्य एशियन मास्टर्स चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान पक्का करना है। अरविंद कुमार के चयन ट्रायल में प्रतिभाग करने की खबर से उनके विभागीय अधिकारियों, साथी कर्मचारियों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। सभी ने उन्हें बेहतर प्रदर्शन के साथ चयन हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सीडीओ की अध्यक्षता में NITI TARA पर क्षमतावर्धन कार्यशाला सम्पन्न

ललितपुर। मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान की अध्यक्षता में जनपद स्तर पर NITI TARA विषयक एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन विकास भवन सभागार किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जनपद एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को डेटा आधारित योजना निर्माण, मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन प्रणाली से परिचित कराना तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाना था। कार्यशाला में जनपद स्तरीय समस्त अधिकारी एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में टूलकिट की उपयोगिता, कार्यप्रणाली एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण सत्र का संचालन EDCIL India के प्रतिनिधि मिलिंद चौहान द्वारा किया गया। उन्होंने NITI TARA पोर्टल, डेटा प्रबंधन, निगरानी तंत्र तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डेटा आधारित प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने, विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, सटीक मूल्यांकन एवं बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

आई लव यू पापा... किशोरी ने झील में कूदकर दी जान

सुसाइड नोट मिलने की चर्चा, पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

कस्बे के सिविल लाइन क्षेत्र में सोमवार को एक किशोरी की झील में डूबने से मौत हो गई। उरई निवासी छवि (14) पुत्री महेश कुशवाहा हजारिया मंदिर के पास स्थित झील में डूब गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को झील से बाहर निकलवाकर अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और क्षेत्र में शोक का माहौल है। घटना के बाद एक कथित सुसाइड नोट मिलने की भी चर्चा है, जिसमें 'आई लव यू पापा' लिखे होने की बात कही जा रही है। हालांकि पुलिस ने सुसाइड नोट मिलने की पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

व्यापारी हितों के लिए केंद्र सरकार बनाए व्यापारी कल्याण आयोग

» राष्ट्रीय व्यापारी दिवस पर महासम्मेलन में उठी मांग
» ऋण की गारंटी देने वालों को कर्ज चुकाने के बाद बैंक ऋण सुविधा देने की भी मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से कांस्टीट्यूशन क्लब, संसद मार्ग, नई दिल्ली में 45वें राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के अवसर पर व्यापारी महासम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मेलन में देशभर से पहुंचे व्यापारियों ने व्यापारियों की समस्याओं, बाजारों में मूलभूत सुविधाओं और बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। कार्यक्रम में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यापारियों को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के समक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर और ललितपुर महामंत्री अनिल जैन ने तीन प्रमुख मांगों को लेकर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। दोनों पदाधिकारियों ने मंच से इन मुद्दों पर चर्चा करते हुए केंद्र सरकार से समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया था। व्यापार मंडल ने इसके लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड को पर्याप्त कानूनी अधिकार दिए जाने की आवश्यकता है। व्यापारियों ने कहा कि लंबे समय से पूर्व सांसद एवं व्यापारी नेता पं.श्याम बिहारी मिश्रा व्यापारी कल्याण आयोग के गठन की मांग करते रहे हैं। दूसरे मुद्दे के रूप में व्यापार मंडल ने देश में सडक़ों के चौड़ीकरण, फ्लाईओवर, फोरलेन और एक्सप्रेसवे के निर्माण के बावजूद पैदल चलने वाले लोगों के लिए पर्याप्त फुटपाथ नहीं होने का मुद्दा उठाया। तीसरे महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में बैंक ऋण की गारंटी देने वाले लोगों की समस्या को उठाया गया। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा बैंक से ऋण लिए जाने पर कई बार अन्य लोगों को गारंटर बनाया जाता है। ऋण लेने वाले व्यक्ति की संपत्ति भी बैंक के पास सुरक्षा के रूप में रहती है। व्यापारी महासम्मेलन के दौरान व्यापारियों के हितों में उल्लेखनीय योगदान और संगठनात्मक कार्यों के लिए ललितपुर के उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर को राष्ट्रीय नेताओं द्वारा सम्मानित किया गया।

बुन्देलखण्ड जागृति मंच का हुआ भव्य शुभारंभ

सामाजिक एकता और जनहित के लिए कार्य करने का लिया संकल्प

ललितपुर। सामाजिक सरोकारों और जनहित के कार्यों को समर्पित नवगठित गैर राजनीतिक संगठन बुंदेलखंड जागृति मंच का विधिवत शुभारंभ गोविंद सागर डैम की तलहटी में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, शिक्षक, अधिवक्ता, साहित्यकार तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। नवगठित संगठन का उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता बढ़ाना, आपसी भाईचारा एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करना तथा जनहित से जुड़े कार्यों को बढ़ावा देना है। मंच को गैर राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित किया गया है। संगठन की ओर से सभी जाति, धर्म और संप्रदाय के लोगों को साथ लेकर चलने तथा सभी महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना रखते हुए समाज को एकजुट करने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान बुंदेलखंड जागृति मंच की कार्यकारिणी एवं संरक्षक मंडल की घोषणा भी की गई। संरक्षक मंडल में सेवानिवृत्त शिक्षक संजय श्रीवास्तव एवं रामशरण निराला (बाबूजी) को शामिल किया गया। मंच में डा.रक्षपाल सिंह को प्रबंधक/महामंत्री, नीरज जैन कामरेट को जिलाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह राठौड़ को कोषाध्यक्ष, रामरक्षपाल सिंह शिक्षक को संगठन मंत्री, मंजीत सिंह सरदार वरिष्ठ समाजसेवी को जिला उपाध्यक्ष, बालक दास अहिरवार शिक्षक को सांस्कृतिक मंत्री तथा धन सिंह राजपूत शिक्षक को ऑडिटर की जिम्मेदारी सौंपी गई। मंच के संस्थापक सदस्यों में इंद्रपाल सिंह तालगांव समाजसेवी, बॉबी राजा समाजसेवी, तिलक सिंह समाजसेवी, शिवचरण अहिरवार शिक्षक, अखिलेश राजपूत शिक्षक, अमर सिंह बुंदेला, हरिशंकर रजक समाजसेवी, देवेंद्र पुरोहित शिक्षक, कमलेश राजपूत एड., दिनेश राजपूत शिक्षक, हरीश कुशवाहा शिक्षक, सूरज पटेल समाजसेवी एवं अमोल सिंह रजक सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। इस दौरान कमलापत त्रिपाठी, आर.पी. निरंजन, संग्राम सिंह यादव, अंगद श्रीवास एड., शशिकांत दीक्षित उपाध्यक्ष बार एसोसिएशन संघ, रामदास श्रोतीय समाजसेवी, सुगर सिंह यादव (कवि), बृजेंद्र सिंह, अभिषेक राजपूत शिक्षक, निशांत साहू, अजय श्रीवास्तव, रमन शर्मा, विक्रम अहिरवार, आनंद स्वरूप रजक, किशन सिंह यादव, काशीराम झा एवं अशोक तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान

हम बदलेंगे, तो जग बदलेगा के संकल्प से गूंजा ललितपुर

ललितपुर। नशे के खिलाफ अब केवल जागरूकता ही नहीं, बल्कि लोगों में नशामुक्त जीवन का संकल्प भी दिखाई देने लगा है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, वरदानी भवन की ओर से चलाए जा रहे 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत सोमवार को जिले में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों, यात्रियों और कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। अभियान की टीम ने संस्कार प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल, श्री महावीर इंटर कॉलेज, सरस्वती ज्ञान विद्या मंदिर पाली, जिला परिषद इंटर कॉलेज पाली, श्रीमती रामकली देवी इंटर कॉलेज मड़ावरा और सरस्वती मंदिर इंटर कॉलेज मड़ावरा पहुंचकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। विद्यालयों के बाद अभियान की टीम ने शहर के प्रमुख चौराहों और रेलवे स्टेशन पर भी लोगों को नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया। वहीं कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और अन्य यात्रियों ने भी अभियान का समर्थन करते हुए नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने कहा कि नशा व्यक्ति की शारीरिक एवं मानसिक शक्ति को कमजोर करने के साथ परिवार की खुशियों और समाज की प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए नशा मुक्ति की शुरुआत किसी दूसरे व्यक्ति से नहीं, बल्कि स्वयं से करनी होगी।

संक्षिप्त खबरें

खंड विकास अधिकारी ने प्रमुख के साथ की गोष्टी

बरेली/ तिरंगा यात्रा के लिए भदपुरा की खंड विकास अधिकारी ईशा हर्षिता अग्निहोत्री ने ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार के साथ ग्राम प्रधानों से विचार विमर्श कर गोष्ठी की गई जिसमें 14 अगस्त को तिरंगा यात्रा विकासखंड मुख्यालय से निकल जाने की बात कही गई इसमें खंड विकास अधिकारी अग्निहोत्री ने प्रधानों से अपार सहयोग करने की मांग। की यहां पर ग्राम प्रधान बलराम सिंह अर्जुन सिंह रफीक अहमद लाला खान तुलाराम बर्मा जयवीर वर्मा समेत अनेकों ग्राम प्रधान गण उपस्थित थे सभी से 14 अगस्त को 10:00 बजे ब्लॉक मुख्यालय उपस्थित होने का अनुरोध किया गया जिसे प्रधानों ने स्वीकार किया है और तिरंगा यात्रा को दाम कम से निकलने का आश्वासन दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन निकलेगी ट्रैक्टर यात्रा

बरेली/ विकासखंड भदपुरा मैं भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक में लिया गया फैसला 13 अगस्त को निकल जाएगी ट्रैक्टर यात्रा इस मासिक बैठक में दर्जनों भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ता एकत्रित हुए और उन्होंने राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार यह फैसला लिया है की 13 अगस्त को किसान यूनियन की तरफ से ट्रैक्टर यात्रा निकाली जाएगी। इस संबंध में उन्होंने एक ज्ञापन भदपुरा की खंड विकास अधिकारी को सोप है इसमें उपस्थित जिला प्रभारी चंद्र प्रकाश गंगवार फतेहचंद गंगवार हीरालाल गंगवार हरदेव विश्व देव गंगवार मेबी राम समेत कई दर्जन यूनियन के कार्य करता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे हीरालाल गंगवार ने बताया यह ट्रैक्टर यात्रा पूरे प्रदेश में भारतीय किसान यूनियन के हाई कमान के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है।

कछला घाट से जल लेकर कावड़ियों ने किया जल अभिषेक

बरेली/ श्रवण मास के दूसरे सोमवार को जल अभिषेक करने के लिए भोले के श्रद्धालु कछला घाट से जल लेकर आज वापस लौटे किया सुबह को शिव मंदिरों में जल अभिषेक इसके लिए कांवड़ियों के जत्थे से वापस आना शुरू हो गया इसी क्रम में नकटी नारायणपुर सिठौरा बाहर जागीर बिहारीपुर अब्दुल रहमान नदिया मोतीराम धीमरी आदि ग्रामों से श्रद्धालुओं के इज्जत थे दूसरे सोमवार को जलाभिषेक किया। कछला घाट को रवाना हुए थे जो सभी वापस लौटने प्रारंभ हो गए हैं सुबह मंदिरों से जल अभिषेक करने के लिए मंदिरों मेंभीड़ जुटी इसी क्रम में डाक कावड़ लेने के लिए श्रद्धालुओं के जब से भारी संख्या में कछला घाट को रवाना हुए थे इनमें बिहारीपुर अब्दुल रहमान वैवाही समेत अनेकों ग्रामों से श्रद्धालु डाक कावड़ लेकर रवाना हुए हैं यह भी सुबह लौटकर शिव मंदिरों में जल अभिषेक करेंगे और भोले का आशीष प्राप्त किया।

नाबालिग के अपहरण मामले में आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर उठे सवाल

विवेचक पर पीड़ित पक्ष ने लगाए गंभीर आरोप, पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने गये पीडित पक्ष को वापस आना पडा क्योकि पुलिस अधीक्षक महोदया आज सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिले भर मे भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने मे लगी रही। इस संबंध मे विवेचक अनिल कुमार यादव से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो साहब के बिगडे बोल आप हमसे इस. मामले पर बात मत् करो मै जब चाहूगा तब करूगा आरोपी की गिरफ्तारी।मै चाहूगा तो तीन माह बाद कराऊंगा लडकी का मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान तब तक लडकी बालिग हो जायेगी।

लखीमपुर खीरी- जनपद खीरी के अंतर्गत थाना भीरा मे नाबालिग लडकी को लेकर भाग जाने वाले आरोपी के विरुद्ध मकदमा दर्ज हुये लगभग एक हफ्ता बीत जाने के बाद भी भीरा पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी करने से बचती नजर आ रही है।वही पीडित पक्ष नामजद आरोपी की गिरफ्तारी कराये जाने को लेकर जिला की ईमानदार और तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक की चौखट की खाक छानते फिर रहा है। सूत्रो के मुताबिक विपक्षी. की तरफ से मिला भारी भरकम चढावा के चलते विवेचना अधिकारी मामले को लम्बा करने मे लगे है और नामजद आरोपी को जान बूझकर गिरफ्तार नही कर रहे है जिससे हौसले बुलंद विपक्षी के परिजन लगातार पीडिता के परिजनो को डरा धमकाकर सुलह समझौता करने का दबाव बना रहे है।मामले की विवेचना कर रहे विवेचक द्वारा एक प्रधान के कहने पर आरोपी को अभयदान दिए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। सबसे अहम सवाल तो यह हे कि लडकी की बरामदगी तो आरोपी के परिजनो ने लडकी को थाने ले जाकर करा दी लेकिन लडके को थाना भीरा क्यो नही बुलाया गया यक्ष प्रश्न बना है पीडित पक्ष का आरोप है कि नामजद आरोपी खुलेआम घूम रहा है।विवेचना अधिकारी की इस तरह की कार्य शैली से ईमानदार थानाध्यक्ष और पुलिस अधीक्षक की छवि धूमिल हो रही है। थाना भीरा मे तैनात और मुकदमे की विवेचना कर रहे उप निरीक्षक अनिल कुमार यादव साहब का कहना है कि मै चाहू तो 3माह तक बयान न कराऊ तब तक लडकी बालिग हो जायेगी । यह मेरा अपना अधिकार है। शायद विवेचक साहब लडकी के बालिग होने के इंतजार मे है इसलिए लडकी का बयान नही करवा रहै है जबकि नारी निकेतन मे रह रही लडकी का रो-रोकर बुरा हाल है ऐसा पीडिता की मां का कहना है। लेकिन साहब आरोपी को अभयदान देने मे कोई कोर कसर छोडने को तैयार दिखाई नही पड रहे है। पुलिस और विपक्षीगण के बीच चल रही साठगांठ से आहत पीडिता के पिता ने आज मीडिया को आपबीती सुनाते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

कानपुर के आनंदेश्वर मंदिर का निरीक्षण

कानपुर। आज पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा श्रावण मास के द्वितीय सोमवार दृष्टिगत आनंदेश्वर मंदिर (परमट), जागेश्वर मंदिर एवं बनखण्डेश्वर मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा मंदिर के आसपास की यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थलों, पैदल श्रद्धालुओं की आवाजाही तथा आपातकालीन मार्गों का गहन अवलोकन किया गया व संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा यातायात व्यवस्था सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनी रहे। पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा ड्यूटी पर तैनात समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हुए उन्हें आवश्यक यातायात संबंधी जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाए, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुगमता से अपने गंतव्य तक पहुँच सकें।

धनौर जागीर में सड़क पर दिखा तेंदुआ, युवक ने खींची तस्वीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ विकासखंड भदपुरा मैं तेंदुए का खौप बढ़ता जा रहा है बीती रात मौजमपुर निवासी सत्यपाल अपने दोस्त नितिन के साथ शनिवार रात आठ बजे धनौर जागीर गांव में ट्रैक्टर छोड़ने जा रहे थे। अचानक दोनों ने गांव के पास सड़क पर तेंदुआ देखा तो दोनों डर गए। तेंदुए खेत में घुसा उससे पहले ही हिम्मत कर उन्होंने दूर से तेंदुए की मोबाइल से फोटो खींच ली और गांव जाकर लोगों को जानकारी दी। इससे हड़कंप मच गया। प्रधान पति सुर्भीक गंगवार ने मामले की सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। जानकारी मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में जांच कर पगचिह्न तलाशे। के के मिश्रा वन क्षेत्राधिकारी नबावगंज ने बताया कि जगी डांडी में अहम जरूरी साक्ष्य मिलने पर पिंजड़ा लगाकर टीमों को सतर्क रहने को कहा गया है और वहां निगरानी बढ़ा दी गई है। और गांव वालों को जंगल में अकेले नहीं जाने के साथ लगातार सतर्कता बरतने को कहा गया है। चार टीमें क्षेत्र में सक्रिय हैं और ग्रामीणों की मदद से लोगों को जागरूक कर रही हैं।

भाकियू पंचायत में किसानों ने उठायी समस्याएं, सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत सोमवार को कृषि मंडी परिसर स्थित किसान भवन में भारत सिंह धनौरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। पंचायत में शामिल तहसील क्षेत्र के तमाम किसानों ने स्थानीय समस्याएं उठाते हुए निराकरण कराए जाने की मांग की। पंचायत के उपरांत संगठन के पदाधिकारियों ने नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह को ज्ञापन देकर शीघ्र ही समस्याओं को निस्तारित किए जाने को कहा। आयोजित पंचायत में किसानों ने समस्या उठाते हुए कहा कि रवा, भेंड़, अंडा, शिवनी बुजुर्ग सहित सभी गांवों में अन्ना गौवंश खेतों में धान, तिली आदि फसलें चट कर रहे हैं जिसको देखते हुए अन्ना गौवंश पकड़ कर बंद किए जाएं। ग्राम भेंड़ के कोटेदार की शिकायत करते हुए गांव के किसानों ने कहा कि गेहूं की तौल पर एक किलो वजन कम कर गेहूं बांटा जा रहा है जिस पर रोक लगाई जाए। वहीं मूंगफली की खरीद सरकारी केंद्रों पर कराए जाने, पांच माह से रुकी वृद्धावस्था पेंशन संबंधितों को दिलाए जाने, ग्राम गोरा करनपुर के समीप पुलिया का निर्माण कार्य कराए जाने सहित परेशान घूम रहे कुछ किसानों की मूंग की फसल की तौल सरकारी केंद्रों पर अतिशीघ्र कराए जाने की मांग की गई। पंचायत में संगठन के पदाधिकारियों ने किसानों से आह्वान किया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 13 अगस्त को गल्ला मंडी उरई से जिलाधिकारी कार्यालय तक तिरंगा ट्रेक्टर यात्रा निकाली जाएगी, सभी किसान बंधु सुबह 10 बजे ट्रेक्टर लेकर गल्ला मंडी उरई पहुंचे। पंचायत में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ केदारनाथ निरंजन, तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल, महासचिव डॉ पीडी निरंजन, भगवान सिंह कुशवाहा, प्रमोद पटेल आदि मौजूद रहे।

सावन के दूसरे सोमवार पर आनंदेश्वर मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस आयुक्त ने लिया जायजा

कानपुर। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार के अवसर पर थाना ग्वालटोली स्थित आनंदेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम दर्शन को लेकर व्यापक पुलिस व्यवस्था की गई। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों, श्रद्धालुओं के आवागमन, बैरिकेडिंग एवं पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित रखने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने मंदिर के पुजारियों से भी मुलाकात की और सहयोग बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव, अपर पुलिस उपायुक्त अभिसूचना महेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय स्नेहा तिवारी, सहायक पुलिस आयुक्त स्वरूपनगर ज्योति श्री सहित पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस आयुक्त ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवांछित तत्वों पर कड़ी नजर रखें और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने दें।

लूट एवं हत्या का वांछित अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। थाना साढ़ पुलिस ने एक मुठभेड़ में लूट एवं हत्या के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त का नाम आशीष उर्फ काशी है और उसके दोनों पैरों में गोली लगी है जिसको इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है यह जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि दिनांक 8.08.2026 को ग्राम देवसड में दो अज्ञात बदमाश द्वारा मुमताज के घर घुसकर जान लेवा हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर जेवर व मोटर साइकिल लूटकर भाग जाने के संबंध में थाना साढ़ पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। उक्त घटना में शाहजहाँ पत्नी मुमताज गम्भीर रूप से घायल हुई व मुमताज पुत्र नबी अहमद निवासी थाना साढ कानपुर नगर की दौराने इलाज मृत्यु हुई थी। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में आज प्रभारी निरीक्षक साढ़ मय पुलिस टीम द्वारा दरगाही नहर पुल के पास में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी कि दौराने चेकिंग मोटर साइकिल सवार को पुलिस टीम द्वारा टार्च की रोशनी डालकर मोटर साइकिल पर बैठे हुए व्यक्ति को रूकने का इशारा किया तो पुलिस वालो को अधिक संख्या मे देखकर मोटर साइकिल चालक ने बाइक तेजी से मोड दी रास्ता कच्चा होने तथा बारिश के कारण फिसलन होने से बाइक अनियंत्रित होकर गिर गयी । अभियुक्त द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ आवश्यक जवाबी कार्यवाही की गयी, जिसमें अभियुक्त आशीष उर्फ काशी के दोनों पैरों में गोली लगी तथा वह घायल हो गया । घायल आरोपी को उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया । पूछताछ में घायल अभियुक्त ने अपना नाम आशीष उर्फ काशी पुत्र ओम प्रकाश निवासी ग्राम दलेलपुर थाना बिधनू कानपुर नगर उम्र 25 वर्ष बताया एवं भागने का कारण पूछा गया तो बताया कि उसने अपने साथी रानू के साथ मिल मुमताज के घर मे लूट के इरादे से गया था लेकिन वहा पर मुमताज तथा उसकी पत्नी जाग गयी। इन लोगो ने हमें पकड़ने का प्रयास किया तो हमने अपनी पहचान हो जाने पर पकड़े जाने के डर से मुमताज को डन्डे तथा कुल्हाडी से मारा था।

झारखण्ड छात्र आन्दोलन में कूदी हिन्द मजदूर किसान पंचायत,सीबीआई जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। शिक्षा, परीक्षा और नियुक्ति में धंधली के विरोध में झारखंड में चल रहे आंदोलन में अब यूपी की हिन्द मजदूर किसान पंचायत भी कूद पड़ी है। झारखंड में आंदोलन का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय सचिव और यूपी के महामंत्री राकेशमणि पाण्डेय ने अपना एक प्रतिनिधि मण्डल भी छात्र आन्दोलन में भाग लेने के लिए भेजने का निर्णय लिया है। झारखंड में छात्रों के शान्तिप्रिय आन्दोलन के लिए बधाई भी देते हुए हिन्द मजदूर किसान पंचायत के महामंत्री श्रमिक नेता राकेश मणि पांडेय ने सवाल उठाया कि न्यू न्यू क्योंमें नियुक्तियों में पारदर्शिता क्यों नहीं अपनायी गयी। अपात्र लोगो की धन व प्रभाव के चलते नियुक्तियाँ किए जाने का आरोप लगाते हुए राकेश मणि पांडे ने कहा कि इस पूरी धांधली और भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई से करायी जानी चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि लाभ कमाने की दृष्टि से सरकार तमाम पदों को समाप्त करने में लगी है। लोगों को संविदा पर कार्य करने के लिए विवश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार समान कार्य वेतन सिद्धान्त की खुद ही अवहेलना कर रही है। ऐसे में सब जगह युवा आक्रोशित हो रहा है। बेतहासा बेरोजगारी, हतासा में बदल कर छात्र आन्दोलन के लिए विवश हो रहे हैं। श्रमिकों के हित में हो चुके अनेक आंदोलनों के भी अगुआकर भी रह चुके वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पांडे ने यह चेतावनी भी दी कि अगर समय रहते युवाओं को समुचित रूप से रोजगार परख बनाते हुए उनकी बेरोजगारी समाप्त किये जाने हेतु कड़े कदम नहीं उठाये गये तो सरकार के खिलाफ स्थिति और भी विस्फोटक हो सकती है।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में शिव अभिषेक हेतु उमड़े श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सावन के दूसरे सोमवार को यहां शिव मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही नगर के प्रमुख शिवालयों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में भक्तों ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और रुद्राभिषेक किया तथा सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। सोमवार सुबह से ही शिवालयों के बाहर श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। हाथों में जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प लेकर पहुंचे भक्तों ने भगवान शिव का पूजन किया। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजते रहे। सावन के दूसरे सोमवार को लेकर शिव भक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। नगर के भूतेश्वर महादेव और महाकालेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके अलावा नई बस्ती स्थित सिद्धेश्वर मंदिर, गुप्तेश्वर महादेव, बक्सेश्वर महादेव, पीपलेश्वर महादेव और यादवेश्वर महादेव मंदिर समेत नगर के विभिन्न गली-मोहल्लों में स्थित शिवालयों में भी सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था। भक्तों ने शिवलिंग पर जल और दूध अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। सावन मास को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस महीने में शिव पूजन और जलाभिषेक करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही वजह है कि सावन के प्रत्येक सोमवार को शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

बैंक लॉकर से जेवरात गायब होने के आरोप

कानपुर। थाना स्वरूप नगर क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई कि उनके जेवरात स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर (SBT) के लॉकर में रखे हुए थे। बैंक के विलय के उपरांत जब उन्होंने लॉकर से जेवरात निकालने के लिए संपर्क किया तो उनके द्वारा आरोप लगाया गया कि लॉकर में रखे जेवरात मौजूद नहीं हैं। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उक्त आरोप के संबंध में थाना स्वरूप नगर पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। प्रकरण में विस्तृत विवेचना की जा रही है। बैंक परिसर एवं उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है तथा संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों से पूछताछ कर घटना की सत्यता की जानकारी की जा रही है। समग्र जांच एवं विवेचना के दौरान जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दूसरे सोमवार को शिवालयों में भक्तों की लगी लंबी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। सजेती क्षेत्र के प्राचीन बिहारेश्वर महादेव मंदिर में बड़ी संख्या में शिव भक्तों की भीड़ लगी हुई है, मंदिर परिसर में मेले का भी आयोजन किया गया है जहां बड़ी संख्या में यहां बच्चे मेले का लुत्फ उठा रहे हैं कोई झूला झूल रहा है तों कोई व्यंजनों का लुत्फ उठा रहा है, आपको बताते चलें कि कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाइवे किनारे अज्योरी गांव में स्थित महादेव मंदिर अपने आप में कई रहस्य समेटे हुए है इस मंदिर की ख्याति आसपास के जनपदों तक फैली हुई है इस मंदिर की मान्यता है कि मंदिर के मुख्य द्वार पर शिलालेख की माप हरबार अलग अलग निकलती है,इसी प्रकार निवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड के बगल में स्थित सिधौल गांव में मारकान्डेय महादेव मंदिर स्थित है जिसमें उत्तर प्रदेश कई जनपदों से लोग सावन सोमवार को तों आते ही हैं पूरे वर्ष मंदिर के दर्शन के लिए लोग आते-जाते हैं सिधौल गांव के ही पंडित छुन्नूलाल शुक्ला और मंदिर की मुख्य पुजारी शिवकली सैनी आदि ने बताया कि गांव में स्थित मारकान्डेय महादेव मंदिर के बारे में बातचीत में बताया कि मेरे पूर्वजों ने मंदिर की पूजा करते रहे हैं अब मैं कर रहीं हूं कहा कि मंदिर में आज तक कभी छत नहीं पड़पाती है, भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं श्रद्धालुओं में श्रद्धा भाव से आने पर अपने आप में मानते हैं आगे कहा कि मेरे गांव में बड़े डकैत आए लेकिन गांव में कभी घुस नहीं पाए हैं रक्षा करने वाले एक मात्र मारकान्डेय महादेव जी की क्रपा बरसतीं हैं सच्चे मन से आओ आशीर्वाद पाओ।

सावन के द्वितीय सोमवार को पालिकाध्यक्ष के नेतृत्व में कांवड़ियों पर हुई पुष्पवर्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- पवित्र सावन माह के द्वितीय सोमवार को छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में शिवभक्ति और आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। देवाधिदेव भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए विभिन्न स्थानों से पहुंचे कांवड़ियों का नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू के नेतृत्व में भव्य स्वागत एवं पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, व्यापार मंडल श्याम बिहारी गुट एवं उन्नकिसेस कृषि संस्थान के सहयोग से सदर चौराहा स्थित शिव मंदिर के निकट कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। इस दौरान शिवभक्तों का फूलों से स्वागत करते हुए उन्हें जलाभिषेक के लिए शुभकामनाएं दी गईं। पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा, 'देवाधिदेव भगवान शिव को जलाभिषेक करने के लिए दूर-दूर से आ रहे कांवड़ियों की सेवा और स्वागत करने का सौभाग्य पुण्य कर्मों से प्राप्त होता है। नगर पालिका परिषद सामाजिक संगठनों एवं नगरवासियों के साथ मिलकर शिवभक्तों की सेवा के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि छोटी काशी में आने वाले प्रत्येक शिवभक्त को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी यात्रा को सुगम बनाना नगर पालिका की प्राथमिकता है। पुष्पवर्षा एवं स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री उद्योग व्यापार मंडल कंछल गुट अशोक कनौजिया, भाजपा नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष अरुण अवस्थी, व्यापार मंडल श्याम बिहारी मिश्रा गुट के जिला अध्यक्ष राम मोहन सोनी, उन्नकिसेस कृषि संस्थान के संरक्षक विनीत सिंह भदौरिया, संयोजक अनुपम कुमार, नगर गौ सेवा संयोजक दिलीप सिंह, हिमांशु सिंह, भाजपा नगर महामंत्री धीरज बाजपेई, मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा, नामित सभासद रामचंद्र राठौर, पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा शत्रोहन मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों में उत्साह देखने को मिला। छोटी काशी में सावन के दूसरे सोमवार पर आस्था, सेवा और भक्ति का यह संगम सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

महिला ने लगाई कार्यवाही की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर निवासी मनीषा विश्वकर्मा ने सोमवार को सीओ परमेश्वर प्रसाद को शिकायती पत्र देकर सीएससी संचालक पति के साथ कथित धोखाधड़ी और शिकायत के बाद पुलिसकर्मी द्वारा धमकी दिए जाने की जांच कराने की मांग की है। शिकायती पत्र के अनुसार, 7 जुलाई 2026 की शाम दो लोगों ने कथित रूप से मेडिकल इमरजेंसी का हवाला देकर सीएससी संचालक पंकज के यूपीआई खाते में 47 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए। इसके बाद पंकज ने परिचित होने के कारण उन्हें 47 हजार रुपये नकद दे दिए। आरोप है कि बाद में पता चला कि खाते में भेजी गई रकम संदिग्ध तरीके से ट्रांसफर हुई थी, जिसके चलते पंकज का बैंक खाता फ्रीज हो गया। मनीषा का आरोप है कि मामले की शिकायत और साक्ष्य देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि 24 जुलाई को एक सिपाही ने शिकायत आगे बढ़ाने पर पति को मुकदमे में फंसाने और जेल भेजने की धमकी दी। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड होने का भी दावा किया गया है। पीड़िता ने मामले की जांच चौकी स्तर से हटाकर प्रभारी निरीक्षक या क्षेत्राधिकारी स्तर से कराने, आरोपों की निष्पक्ष जांच और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

कोंच(जालौन)- फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह ने सोमवार को नगर के मोहल्ला गांधीनगर स्थित एक घर पर दबिश देकर वारंटी अभियुक्त विनोद कुमार सोनी पुत्र भगवानदास को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही के लिए उसे न्यायालय में पेश किया गया है। गौरतलब हो कि विनोद के खिलाफ गत समय पूर्व कोतवाली में दफा 147, 323, 504 के तहत मामला दर्ज कराया गया था। उक्त मामले में न्यायालय में होने वाली तारीखों से लगातार गैरहाजिर रहने के कारण न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

गुवाहाटी हाईकोर्ट की स्थायी पीठ की मांग तेज, केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम की बराक घाटी में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ स्थापित करने की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल को पत्र लिखकर इस दिशा में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह बराक घाटी के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग है और इसे न्याय तक समान एवं सुगम पहुंच के व्यापक हित में गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। सांसद सुष्मिता देव ने अपने पत्र में कहा कि बराक घाटी में उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ की मांग किसी एक वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह न्याय तक समान पहुंच, प्रशासनिक सुविधा और संतुलित क्षेत्रीय विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि दशकों से इस क्षेत्र के वादकारियों, अधिवक्ताओं और आम नागरिकों को उच्च न्यायालय की कार्यवाही के लिए गुवाहाटी की लंबी यात्रा करनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत उठानी पड़ती है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री का ध्यान बराक घाटी की भौगोलिक दूरी और कमजोर संपर्क व्यवस्था की ओर भी दिलाया। उनके अनुसार, काछार, हैलाकांडी, श्रीभूमि और दीमा हसाओ के लोगों को गुवाहाटी स्थित उच्च न्यायालय तक पहुंचने में कई व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क एवं रेल संपर्क में व्यवधान, विशेषकर मानसून के दौरान बाढ़ और भूस्खलन जैसी परिस्थितियां, इस समस्या को और गंभीर बना देती हैं। सुष्मिता देव ने कहा कि इन परिस्थितियों का सीधा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है जिन्हें अपने मामलों की सुनवाई के लिए बार-बार गुवाहाटी जाना पड़ता है। लंबी दूरी की यात्रा और संपर्क संबंधी बाधाओं के कारण वादकारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है तथा न्यायिक कार्यवाही में भी व्यावहारिक कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। सांसद ने अपने पत्र में बराक घाटी में पिछले वर्षों के दौरान हुए जनसांख्यिकीय, आर्थिक और संस्थागत विस्तार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए मिनी सचिवालय की स्थापना तथा बराक वैली डेवलपमेंट डिपार्टमेंट का गठन किया गया है। ऐसे में न्यायिक संस्थाओं तक पहुंच को भी क्षेत्र की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बराक घाटी में उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ की स्थापना पर वर्तमान परिस्थितियों और क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से वस्तुनिष्ठ विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। यह कदम न केवल न्याय तक पहुंच को आसान बनाएगा, बल्कि क्षेत्र में संवैधानिक शासन और प्रशासनिक विकेंद्रीकरण को भी मजबूत करेगा। सांसद सुष्मिता देव ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री से आग्रह किया कि बराक घाटी में उपयुक्त स्थान पर गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ स्थापित करने के प्रस्ताव पर आवश्यक कार्रवाई और संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि स्थायी पीठ की स्थापना से बराक घाटी के लोगों को न्याय प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय करने की मजबूरी कम होगी और वादकारियों, अधिवक्ताओं तथा आम नागरिकों के लिए न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक बन सकेगी।

डीजीपी ने लुधियाना में सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

लुधियाना। आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने लुधियाना पुलिस लाइंस में सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में लुधियाना के पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा, लुधियाना रेंज के उपमहानिरीक्षक संदीप गोयल, खन्ना व जगराओं के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित क्षेत्र के सभी राजपत्रित अधिकारी और थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक को लुधियाना आयुक्तालय और लुधियाना रेंज में सुरक्षा संबंधी सूचनाओं, बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तथा पुलिस बल की तैनाती की जानकारी दी गई। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने महत्वपूर्ण आवागमन स्थलों, रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर चौबीसों घंटे गश्त बढ़ाने, अचानक नाकाबंदी और रणनीतिक तलाशी अभियान तेज करने को कहा। उन्होंने जिला खुफिया इकाइयों और राज्य की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच तत्काल सूचना साझा करने पर भी जोर दिया, ताकि संभावित सुरक्षा खतरों की समय रहते पहचान कर कार्रवाई की जा सके।

उपायुक्त हिमांशु जैन ने केंद्रीय व बोर्स्टल जेल का किया निरीक्षण

कैदियों की समस्याएं सुनीं, तत्काल समाधान के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- कैदियों की भलाई, हेल्थ सुविधाओं और रहने के हालात का रिव्यू करने के मकसद से लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने आज सेंट्रल जेल और बोरस्टल जेल का पूरी तरह से इंस्पेक्शन किया। इस दौरान उन्होंने जेलों में कैदियों को दी जा रही बेसिक सुविधाओं, हेल्थ सेवाओं, साफ-सफाई के इंतज़ाम और रोज़ाना की ज़रूरतों का डिटेल में जायजा लिया। डिप्टी कमिश्नर ने जेल में कैदियों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं और चिंताएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कैदियों की जायज़ समस्याओं का तुरंत समाधान पक्का करने और जेल मैनेजमेंट में ज़रूरी सुधार लाने के निर्देश दिए। इंस्पेक्शन के दौरान रिहैबिलिटेशन और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का भी रिव्यू किया गया। डिप्टी कमिश्नर ने वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम और दूसरी कोशिशों का रिव्यू किया, जो कैदियों को रिहाई के बाद इज़्ज़तदार और आत्मनिर्भर ज़िंदगी जीने में मदद करने के लिए चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैदियों का सुधार और उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना जेल मैनेजमेंट का मुख्य मकसद है। उन्होंने इन प्रोग्राम को और मज़बूत करने के लिए ज़िला प्रशासन से हर मुमकिन सहयोग और एडमिनिस्ट्रेटिव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि कैदियों के सफल रिहैबिलिटेशन, स्किल डेवलपमेंट और समाज में फिर से शामिल होने के लिए लगातार कोशिशें की जाएंगी।

12 करोड़ की लागत से बनी रड़ा-टाहली सड़क जनता को समर्पित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टांडा/होशियारपुर। उड़मुड़ विधानसभा क्षेत्र के गांव रड़ा से टाहली तक 4.44 किलोमीटर लंबी संपर्क सड़क बनकर तैयार हो गई है। करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस सड़क का उद्घाटन होशियारपुर के लोकसभा सदस्य डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने विधायक जसवीर सिंह राजा गिल और अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में किया। सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने बताया कि करीब 4.44 किलोमीटर लंबी और 12 फीट 3 इंच चौड़ी इस सड़क के निर्माण पर लगभग 12 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

सड़क के साथ किनारों की ढलान सुरक्षा का कार्य भी किया गया है, जिससे इसकी मजबूती और टिकाऊपन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि गांवों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना क्षेत्र के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी है। रड़ा से टाहली तक नई सड़क बनने से आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह सड़क क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करती है। सांसद ने कहा कि बेहतर परिवहन व्यवस्था लोगों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक सुविधाओं तक आसानी से पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नई सड़क से किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में करीब 45 हजार किलोमीटर ग्रामीण संपर्क सड़कों के सुधार का कार्य कर रही है। विधायक जसवीर सिंह राजा गिल ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्रवासियों की बड़ी मांग पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार पूरे किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क के रखरखाव और निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सरपंचों और लोगों ने सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल तथा विधायक जसवीर सिंह राजा गिल का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सड़क बनने से रड़ा, टाहली और आसपास के गांवों के लोगों का आवागमन सुगम होगा तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। विधायक राजा गिल ने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में आधारभूत ढांचे से जुड़े अन्य विकास कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा।

कांवड़ियों ने भगवान शिव का किया जलाभिषेक

कोंच(जालौन)- सोमवार को कोंच नगर में आस्था और भक्ति का नजारा देखने को मिला। सुबह युवा कांवड़ियों का जत्था सेवढ़ा की सिंध नदी से पवित्र जल लेकर चंदकुआं स्थित प्राचीन भूतेश्वर मंदिर पहुंचा। कांवड़ियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। कांवड़ यात्रा में शामिल युवा डीजे की धुन और भगवान शिव के जयकारों के साथ पैदल ही सेवढ़ा स्थित सिंध नदी तक पहुंचे। जहां उन्होंने विधि-विधान से पात्रों में जल भरा और फिर वापस कोंच के लिए रवाना हुए। कांवड़ियों के कोंच पहुंचने पर चंदकुआं स्थित प्राचीन भूतेश्वर मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया। यहां पहुंचकर सभी कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का पवित्र जल से अभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। कांवड़ यात्रा में अमित, छोटू यादव, हर्षित तिवारी, अमन कुशवाहा, गुलशन कुशवाहा, अंकित कुशवाहा, सुमित, ऋतिक यादव, गौरव, शशिकांत, कृष्णा, शिवम, ऋतिक सक्सेना, राज, आशु, आदित्य सहित कुल 17 कांवड़िए शामिल रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उपायुक्त ने दिए जरूरी निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नवांशहर। उपायुक्त गुलप्रीत सिंह औलख की अध्यक्षता में जिला प्रशासनिक परिसर के बैठक कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, यातायात व्यवस्था सुचारु करने तथा उच्चतम न्यायालय एवं सरकार द्वारा जारी निर्देशों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सड़कों पर घूमने वाले पशुओं, बेसहारा पशुओं के प्रबंधन तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम से संबंधित कार्यों की विभागवार जानकारी ली। उन्होंने जिले में पीएम राहत कोष योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को योजना के लिए विभागीय नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा, ताकि योजना का लाभ जमीनी स्तर तक आसानी से पहुंचाया जा सके। बैठक में इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट पोर्टल पर दुर्घटनाओं की समयबद्ध प्रविष्टि, राहवीर योजना, फरिश्ते योजना तथा सड़क सुरक्षा मित्र योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देश दिए कि इन योजनाओं से संबंधित संपूर्ण जानकारी जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सड़क दुर्घटना के बाद भागने वाले वाहन चालकों से जुड़े मामलों में प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने, जिले में जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने तथा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर कार्रवाई मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों और महाविद्यालयों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें शीघ्र दुरुस्त कराने को कहा। उन्होंने संबंधित विभागों को सड़कों पर उचित संकेतक, सड़क चिह्न, गति नियंत्रण के उपाय तथा अन्य सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर बहुमूल्य मानव जीवन को बचाया जा सके। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त (जे) संजीव शर्मा, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारी इंद्रपाल, सहायक आयुक्त सामान्य रमनजीत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जुलूस-ए-मोहम्मदी के सदर का किया गया स्वागत

कोंच(जालौन)- नगर के सागर तालाब स्थित अस्ताना-ए-कलंदरिया पर जुलूस-ए-मोहम्मदी के सदर बनाए गए पालिका सभासद शमसुद्दीन मंसूरी का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान तंजीम गुलामाने मुस्तफा कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने फूलमालाएं पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और जुलूस-ए-मोहम्मदी की सफलता के लिए एकजुट होकर सहयोग करने का आह्वान किया। मंसूरी ने सभी लोगों से जुलूस के दौरान अनुशासन बनाए रखने और आपसी सौहार्द के साथ शामिल होने की अपील की। स्वागत समारोह के अंत में उपस्थित लोगों को मिष्ठान वितरित किया गया। तकिया के सज्जादानशीं आरिफ अली शाह, रहम इलाही कुरैशी, बशीर काजी, हाफिज अताउल्लाह गौरी, मुस्तकीम मंसूरी, काजी जाहिद, सईद अहमद खन्ना, सैफुल्लाह, शकील मकरानी, साजिद मंसूरी, नईम मंसूरी आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट राशन कार्ड धारकों को चार माह का गेहूं लेना सुनिश्चित करने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरीदकोट। पंजाब सरकार द्वारा स्मार्ट राशन कार्ड योजना के तहत लाभार्थियों को जुलाई 2026 से अक्टूबर 2026 तक चार माह का गेहूं वितरित किया जा रहा है। जिला नियंत्रक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले फरीदकोट गुरजीत सिंह देओल ने जिले के सभी लाभार्थियों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के संबंधित राशन डिपो से निर्धारित गेहूं प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि प्राथमिकता परिवार कार्ड धारकों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 20 किलोग्राम गेहूं, जबकि अंत्योदय अन्न योजना कार्ड धारकों को प्रति कार्ड प्रति माह 35 किलोग्राम गेहूं दिया जाएगा। लाभार्थी जुलाई से अक्टूबर 2026 तक चार माह का गेहूं अपने संबंधित राशन डिपो से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने लाभार्थियों को पारदर्शी तरीके से राशन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना लागू की है। योजना के तहत कोई भी पात्र लाभार्थी गेहूं की सुविधा से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने सभी लाभार्थियों से अपने राशन कार्ड के अनुसार संबंधित राशन डिपो से गेहूं प्राप्त करने की अपील की। जिला नियंत्रक ने कहा कि यदि किसी लाभार्थी को गेहूं वितरण को लेकर किसी प्रकार की शिकायत या परेशानी होती है तो वह संबंधित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निरीक्षक से संपर्क कर सकता है। विभाग को प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार जांच कर उचित कार्रवाई के माध्यम से निपटारा किया जाएगा।

'मिशन क्लीन पटियाला' के तहत सफाई अभियान, स्रोत स्तर पर कचरा अलग करने की अपील

तीन दिन में पटियाला की सड़कों से 3.9 टन कचरा उठाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पटियाला के साथ मिलकर आज अपने ज़रूरी 'मिशन क्लीन पटियाला' कैंपेन के तहत भूपिंदर रोड और पासी रोड पर क्लीनिंग कैंपेन चलाया। इस कैंपेन में आवर लेडी ऑफ फातिमा कॉन्वेंट स्कूल और गवर्नमेंट मल्टीपर्पस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्टूडेंट्स ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। भूपिंदर रोड मार्केट एसोसिएशन, मणिपाल हॉस्पिटल और 'मेरा पटियाला मैं ही स्वरा' वॉलंटरी सिटीजन ग्रुप की टीमों ने भी इसमें हिस्सा लिया। पासी रोड और भूपिंदर रोड से 2,500 द्यद् से ज़्यादा कचरा इकट्ठा किया गया, जिससे इस कैंपेन के तहत तीन दिनों में साफ़ की गई सात बड़ी सड़कों से कुल 3,900 द्यद् कचरा इकट्ठा हो गया। सफ़ाई अभियान के दौरान ट्रैफ़िक मैनेजमेंट में मदद के लिए नगर निगम और पटियाला ट्रैफ़िक पुलिस को धन्यवाद देते हुए, पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा, 'आइए सफ़ाई को एक नया सामाजिक नियम बनाएं। हम नागरिकों और सिविल सोसाइटी संगठनों से अपील करते हैं कि वे इस अभियान को लोगों के नेतृत्व वाले आंदोलन में बदलने के लिए एक साथ आगे आएं जो हर पीढ़ी को प्रेरित करे। अगर हर व्यक्ति हर महीने कुछ घंटे भी योगदान दे, तो हम सब मिलकर रहने के लिए एक साफ़, स्वस्थ और बेहतर पंजाब बना सकते हैं। 'पंजाब को भारत का सबसे साफ़ राज्य बनाने के लिए सभी को प्रेरित करते हुए, चेयरपर्सन ने लोकल गवर्नमेंट डिपार्टमेंट और पंजाब के लोगों से अपील की कि वे ठोस कचरे को सोर्स-लेवल पर अलग-अलग करें और उसका सही तरीके से निपटारा करें। गुप्ता ने शहर के सभी गैर-सरकारी संगठनों, सीनियर सिटीज़न एसोसिएशन, इको क्लब और दूसरे सामाजिक संगठनों से भी इस मिशन में शामिल होने और पटियाला को पंजाब का सबसे साफ़ शहर बनाने में मदद करने की अपील की। अप्रैल 2026 में शुरू किए गए 'मिशन क्लीन पटियाला' के तहत, पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने पटियाला के बड़े संस्थानों, एनफ़ोर्समेंट एजेंसियों और कम्युनिटी ग्रुप्स को एक प्लेटफ़ॉर्म पर लाया है। कैंपेन के पहले फेज़ में करीब 30 इंस्टीट्यूशन ने हिस्सा लिया और सफाई ड्राइव और एनवायरनमेंट बचाने के लिए 30 से ज़्यादा पब्लिक जगहों को गोद लिया। इनमें पटियाला शहर के 18 स्कूल, 10 कॉलेज और चार सरकारी इंस्टीट्यूशन शामिल थे। कैंपेन का दूसरा फेज़ जुलाई 2026 में शुरू किया गया, जिसमें सात और इंस्टीट्यूशन शामिल हो गए हैं। इससे कैंपेन में हिस्सा लेने वाले ऑर्गेनाइजेशन की कुल संख्या 39 हो गई है।

सिलापथार में राज्य सरकार के कृति शिक्षक का सम्मान से सम्मानित शिक्षाविद का निधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। गोपाल चंद्र देव जिनका नाम ही एक परिचय बताया जा रहा है।धेमाजी जिले के सिलापथार पुलिस स्टेशन के अंतर्गत भैरबपुर नेताजी मध्य इंग्रजी विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक गोपाल चंद्र देब की मौत की खबर ने इलाके में शोक की माहौल है। गोपाल चंद्र देब का जन्म 1959 में गुवाहाटी के काला पहाड़ रेलवे क्वार्टर में हुआ था। उनके पिता नागेंद्र देब रेलवे डिपार्टमेंट के कर्मचारी थे। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई जगीरोड में पूरी की और 1976 में लंका नेताजी हाई स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास की। उन्होंने कॉटन कॉलेज, गुवाहाटी से 1978में क्क्ष्ठ,ष्ट की परीक्षा पास की। उन्होंने 1979 में नेताजी मिडिल इंग्लिश स्कूल, भैरबपुर में साइंस टीचर के तौर पर अपना करियर शुरू किया और धेमाजी कॉलेज से डिस्टिंक्शन के साथ बैचलर ऑफ़ साइंस की डिग्री हासिल की। ??वह 2004 से उसी स्कूल के हेडमास्टर के पद पर कार्यभार संभाला उन्हें 2013 में डिस्ट्रिक्ट मेरिटोरियस टीचर अवॉर्ड और 2013 में स्टेट मेरिटोरियस टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 2018 तक हेड टीचर के तौर पर काम करने के बाद 30 नवंबर को ऑफिशियली रिटायर हुए । शिक्षक देब ने दो खास इन्वेंशन किए, ऑनेस्टी बॉक्स, जिसमें स्कूल में घूम हुऐ चीजें खो जाने पर वे चीजें बच्चों द्वारा बॉक्स में डाल देते हैं। और कल्पतरु स्कूल कोऑपरेटिव शॉप। स्टूडेंट्स के लिए कम से कम कीमतों पर ज़रूरी चीज़ों की खरीद और बिक्री। इन दोनों इन्वेंशन को डिब्रूगढ़ और गुवाहाटी यूनिवर्सिटी ने मान्यता दी थी। रिटायरमेंट के बाद, वे कई सामाजिक और एजुकेशनल संस्थाओं से जुड़ गए। सिलापथार आंचलिक साहित्य सभा के सलाहकार। सिलापथार कवि सम्मेलन के मुख्य सलाहकार। समलय नामक मैगज़ीन के मुख कार्यकारी संपादक,सीसिबरगांव आर्य भट्ट साइंस सेंटर के प्रेसिडेंट। रेंगनी नामक साप्ताहिक मैगाजीन के संपादक, सिलापथार सन वैली अकादमी के संचालक के साथ इलाके की विभिन्न मैनेजिंग डायरेक्टर थे और कई प्रोग्राम में शामिल थे। 9 अगस्त को रात 10.45 बजे हाई प्रेशर की कारण मेडिकल ले जाते समय उनका निधन हो गया। सिलापथार के उनके निजी ग्राम उनके चाहने वाले उन्हें आखिरी श्रद्धांजलि देने और गमगीन माहौल में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ पड़े। दोपहर के करीब 12 बजे उनका का पार्थिव शरीर सिलापथार में उनके घर से भैरबपुर नेताजी मिडिल इंग्लिश स्कूल लाया गया। स्कूल कैंपस में स्टूडेंट्स और स्कूल अथॉरिटीज़ को आखिरी श्रद्धांजलि देने के बाद, उनका अंतिम संस्कार पूब बालीगांव में किया गया। उनके निधन पर सिलापथार में शोक का माहला है, विभिन्न दल संघटनो ने उनका निधन पर गहरी शोक व्यक्त किया। 69 साल की उम्र में उनका निधन हुवे देव ने संसार में अपनी पत्नी और दो बेटियों को छोड़ गए।

सफदरजंग अस्पताल में मरीजों की राह होगी आसान, रोटरी क्लब ने भेंट की गोल्फ कार्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ ईस्ट ने अस्पताल को गोल्फ कार्ट भेंट की। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में इसका औपचारिक हस्तांतरण किया गया।गोल्फ कार्ट का इस्तेमाल अस्पताल परिसर में मरीजों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और उनके साथ आने वाले तीमारदारों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा। इससे अस्पताल के बड़े परिसर में आने-जाने के दौरान मरीजों को होने वाली परेशानी कम होगी और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान होगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत सरकार की पूर्व विदेश एवं संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों और सेवा संगठनों के बीच सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ मरीजों के लिए सुविधाएं और अधिक सुलभ बनाई जा सकती हैं।अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा ने रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ ईस्ट का आभार जताते हुए कहा कि इस तरह के सहयोग से मरीजों की सुविधा बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलती है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारु बंबा ने भी क्लब के योगदान की सराहना की और इसे मरीजों के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में उपयोगी पहल बताया।रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ ईस्ट के अध्यक्ष रवि गर्ग ने कहा कि क्लब समाज की सेवा के लिए सार्थक पहल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गोल्फ कार्ट से अस्पताल आने वाले मरीजों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।कार्यक्रम में रोटरी क्लब के सामुदायिक सेवा निदेशक अरुण गुप्ता, क्लब के अन्य प्रतिनिधि, अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारु बंबा, वरिष्ठ अधिकारी, सीएसआर समिति के सदस्य, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और अन्य आमंत्रित अतिथि मौजूद रहे।